قرآن مجید

लफ़्ज़ी तरजुमा

يَعتَذِرُونَ

पारा - 11

eParah

يَعْتَذِرُوْنَ	اِلَيْكُمْ	اِذَا	رَجَعْتُمْ	اِلَيْهِمْ ؕ	قُلْ	لَّا تَعْتَذِرُوْا
वो उज़्र पेश करेंगे	तरफ़ तुम्हारे	जब	लौटोगे तुम	तरफ़ उनके	कह दीजिए	ना तुम उज़्र पेश करो

لَنْ	نُّؤْمِنَ	لَكُمْ	قَدْ	نَبَّاَنَا	اللّٰهُ	مِنْ اَخْبَارِكُمْ ؕ	وَسَيَرَى
हरगिज़ नहीं	हम ऐतबार करेंगे	तुम्हारा	तहक़ीक़	बता दीं हमें	अल्लाह ने	बाज़ ख़बरें तुम्हारी	और अनक़रीब देखेगा

اللّٰهُ	عَمَلَكُمْ	وَرَسُوْلُهٗ	ثُمَّ	تُرَدُّوْنَ	اِلٰى عٰلِمِ	الْغَيْبِ
अल्लाह	अमल तुम्हारा	और उसका रसूल (भी)	फिर	तुम लौटाए जाओगे	तरफ़ जानने वाले	ग़ैब

وَالشَّهَادَةِ	فَيُنَبِّئُكُمْ	بِمَا	كُنْتُمْ	تَعْمَلُوْنَ (94)	سَيَحْلِفُوْنَ
और हाज़िर के	फिर वो बताएगा तुम्हें	वो जो	थे तुम	तुम अमल करते	अनक़रीब वो क़समें खाएंगे

بِاللّٰهِ	لَكُمْ	اِذَا	انْقَلَبْتُمْ	اِلَيْهِمْ	لِتُعْرِضُوْا	عَنْهُمْ ؕ	فَاَعْرِضُوْا
अल्लाह की	तुम्हारे लिए	जब	लौटोगे तुम	तरफ़ उनके	ताकि तुम ऐराज़ करो	उनसे	तो ऐराज़ कर लो

عَنْهُمْ ؕ	اِنَّهُمْ	رِجْسٌ ۫	وَّمَاْوٰىهُمْ	جَهَنَّمُ ۚ	جَزَآءًۢ	بِمَا
उनसे	क्योंकि वो	गंदगी हैं	और ठिकाना उनका	जहन्नम है	बदला है	उसका जो

كَانُوْا	يَكْسِبُوْنَ (95)	يَحْلِفُوْنَ	لَكُمْ	لِتَرْضَوْا	عَنْهُمْ ۚ	فَاِنْ
हैं वो	वो कमाई करते	वो क़समें खाएंगे	तुम्हारे लिए	ताकि तुम राज़ी हो जाओ	उनसे	फिर अगर

تَرْضَوْا	عَنْهُمْ	فَاِنَّ	اللّٰهَ	لَا يَرْضٰى	عَنِ الْقَوْمِ	الْفٰسِقِيْنَ (96)
तुम राज़ी हो भी जाओ	उनसे	तो बेशक	अल्लाह	नहीं वो राज़ी होता	उन लोगों से	जो फ़ासिक़ हैं

اَلْاَعْرَابُ	اَشَدُّ	كُفْرًا	وَّنِفَاقًا	وَّاَجْدَرُ	اَلَّا	يَعْلَمُوْا	حُدُوْدَ
देहाती/बदवी	ज़्यादा सख़्त हैं	कुफ़्र	और निफ़ाक़ में	और ज़्यादा लायक़ हैं	कि ना	वो जानें	हुदूद को

مَآ	اَنْزَلَ	اللّٰهُ	عَلٰى رَسُوْلِهٖ ؕ	وَاللّٰهُ	عَلِيْمٌ	حَكِيْمٌ (97)
उसकी जो	नाज़िल किया	अल्लाह ने	अपने रसूल पर	और अल्लाह	ख़ूब इल्म वाला है	बहुत हिक्मत वाला है

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَّ يَتَرَبَّصُ	مَغْرَمًا	يُنْفِقُ	مَا	يَّتَّخِذُ	مَنْ	وَمِنَ الْاَعْرَابِ
और वो इन्तिज़ार करता है	तावान	वो ख़र्च करता है	उसे जो	बना लेता है	कोई है जो	और देहातियों/बदवियों में से

سَمِيْعٌ	وَاللّٰهُ	السَّوْءِ ؕ	دَآئِرَةُ	عَلَيْهِمْ	الدَّوَآئِرَ ؕ	بِكُمُ
ख़ूब सुनने वाला है	और अल्लाह	बुरी	गर्दिश	उन पर है	गर्दिशों का	तुम्हारे बारे में

وَالْيَوْمِ الْاٰخِرِ	بِاللّٰهِ	يُّؤْمِنُ	مَنْ	وَمِنَ الْاَعْرَابِ	عَلِيْمٌ ﴿98﴾
और आख़िरी दिन पर	अल्लाह पर	ईमान रखता है	कोई है जो	और देहातियों/बदवियों में से	ख़ूब जानने वाला है

الرَّسُوْلِ ؕ	وَصَلَوٰتِ	عِنْدَ اللّٰهِ	قُرُبٰتٍ	يُنْفِقُ	مَا	وَيَتَّخِذُ
रसूल की	और दुआओं का	अल्लाह के नज़दीक	क़ुरबतों (का ज़रिया)	वो ख़र्च करता है	उसे जो	और वो बना लेता है

فِيْ رَحْمَتِهٖ ؕ	اللّٰهُ	سَيُدْخِلُهُمُ	لَّهُمْ ؕ	قُرْبَةٌ	اِنَّهَا	اَلَآ
अपनी रहमत में	अल्लाह	अनक़रीब दाख़िल करेगा उन्हें	उनके लिए	क़ुरबत (का ज़रिया) है	बेशक वो	ख़बरदार

الْاَوَّلُوْنَ	وَالسّٰبِقُوْنَ	رَّحِيْمٌ ﴿99﴾ ع	غَفُوْرٌ	اللّٰهَ	اِنَّ	ع 12 10 1
सबसे पहले	और सबक़त करने वाले	बहुत रहम करने वाला है	बहुत बख़्शने वाला है	अल्लाह	बेशक	

بِاِحْسَانٍ ۙ	اتَّبَعُوْهُمْ	وَالَّذِيْنَ	وَالْاَنْصَارِ	مِنَ الْمُهٰجِرِيْنَ
साथ एहसान के	पैरवी की उनकी	और वो जिन्होंने	और अंसार में से	मुहाजिरीन में से

جَنّٰتٍ	لَهُمْ	وَاَعَدَّ	عَنْهُ	وَرَضُوْا	عَنْهُمْ	اللّٰهُ	رَّضِيَ
बाग़ात को	उनके लिए	और उसने तैयार कर रखा है	उससे	और वो राज़ी हो गए	उनसे	अल्लाह	राज़ी हो गया

الْفَوْزُ	ذٰلِكَ	اَبَدًا ؕ	فِيْهَآ	خٰلِدِيْنَ	الْاَنْهٰرُ	تَحْتَهَا	تَجْرِيْ
कामयाबी	यही है	हमेशा हमेशा	उसमें	हमेशा रहने वाले हैं	नहरें	नीचे उनके	बहती हैं

مُنٰفِقُوْنَ ؕ	مِّنَ الْاَعْرَابِ	حَوْلَكُمْ	وَمِمَّنْ	الْعَظِيْمُ ﴿100﴾
कुछ मुनाफ़िक़ हैं	देहातियों/बदवियों में से	तुम्हारे आस-पास हैं	और उनमें से जो	बहुत बड़ी

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

ع 5 وقف منزل

وَمِنْ اَهْلِ	الْمَدِيْنَةِ قف	مَرَدُوْا	عَلَى النِّفَاقِ قف	لَا تَعْلَمُهُمْ ط	نَحْنُ
और कुछ रहने वालों में से	मदीना के	जो अड़ गए हैं	मुनाफ़िक़त पर	नहीं तुम जानते उन्हें	हम

نَعْلَمُهُمْ ط	سَنُعَذِّبُهُمْ	مَّرَّتَيْنِ	ثُمَّ	يُرَدُّوْنَ	اِلٰى عَذَابٍ
जानते हैं उन्हें	अनक़रीब हम अज़ाब देंगे उन्हें	दो बार	फिर	वो लौटाए जाऐंगे	तरफ़ अज़ाब

عَظِيْمٍ ج (101)	وَاٰخَرُوْنَ	اعْتَرَفُوْا	بِذُنُوْبِهِمْ	خَلَطُوْا	عَمَلًا
बहुत बड़े के	और कुछ दूसरे	जिन्होंने ऐतराफ किया	अपने गुनाहों का	उन्होंने मिला दिए	कुछ अमल

صَالِحًا	وَّاٰخَرَ	سَيِّئًا ط	عَسَى	اللّٰهُ	اَنْ	يَّتُوْبَ	عَلَيْهِمْ ط	اِنَّ
नेक	और दूसरे	बुरे	उम्मीद है	अल्लाह	कि	वो मेहरबान हो	उन पर	बेशक

اللّٰهَ	غَفُوْرٌ	رَّحِيْمٌ (102)	خُذْ	مِنْ اَمْوَالِهِمْ	صَدَقَةً	تُطَهِّرُهُمْ
अल्लाह	बहुत बख़्शने वाला है	निहायत रहम करने वाला है	ले लीजिए	उनके मालों में से	सदक़ा	आप पाक कीजिए उन्हें

وَتُزَكِّيْهِمْ	بِهَا	وَصَلِّ	عَلَيْهِمْ ط	اِنَّ	صَلٰوتَكَ	سَكَنٌ
और आप तज़किया कीजिए उनका	साथ उसके	और दुआए रहमत कीजिए	उनके हक़ में	बेशक	दुआ आपकी	सुकून का ज़रिया है

لَّهُمْ ط	وَاللّٰهُ	سَمِيْعٌ	عَلِيْمٌ (103)	اَلَمْ	يَعْلَمُوْٓا	اَنَّ	اللّٰهَ
उनके लिए	और अल्लाह	ख़ूब सुनने वाला है	ख़ूब जानने वाला है	क्या नहीं	वो जानते	बेशक	अल्लाह

هُوَ	يَقْبَلُ	التَّوْبَةَ	عَنْ عِبَادِهٖ	وَيَاْخُذُ	الصَّدَقٰتِ	وَاَنَّ
वो ही	वो क़ुबूल करता है	तौबा को	अपने बंदों से	और वो ले लेता है	सदक़ात	और बेशक

اللّٰهَ	هُوَ	التَّوَّابُ	الرَّحِيْمُ (104)	وَقُلِ	اعْمَلُوْا	فَسَيَرَى
अल्लाह	वो ही है	बहुत तौबा क़ुबूल करने वाला	निहायत रहम करने वाला	और कह दीजिए	अमल करो	पस अनक़रीब देखेगा

اللّٰهُ	عَمَلَكُمْ	وَرَسُوْلُهٗ	وَالْمُؤْمِنُوْنَ ط	وَسَتُرَدُّوْنَ	اِلٰى عٰلِمِ
अल्लाह	अमल तुम्हारा	और रसूल उसका	और अहले ईमान भी	और अनक़रीब तुम लौटाए जाओगे	तरफ़ जानने वाले

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

الْغَيْبِ	وَالشَّهَادَةِ	فَيُنَبِّئُكُمْ	بِمَا	كُنْتُمْ	تَعْمَلُوْنَ ﴿105﴾ ج	وَاٰخَرُوْنَ
ग़ैब	और हाज़िर के	फिर वो बताएगा तुम्हें	वो जो	थे तुम	तुम अमल करते	और कुछ दूसरे

مُرْجَوْنَ	لِاَمْرِ	اللّٰهِ	اِمَّا	يُعَذِّبُهُمْ	وَاِمَّا	يَتُوْبُ	عَلَيْهِمْ ط
जो मुअख़्ख़र हैं	हुक्म के लिए	अल्लाह के	ख़्वाह	वो अज़ाब दे उन्हें	और ख़्वाह	वो मेहरबान हो	उन पर

وَاللّٰهُ	عَلِيْمٌ	حَكِيْمٌ ﴿106﴾	وَالَّذِيْنَ	اتَّخَذُوْا	مَسْجِدًا	ضِرَارًا
और अल्लाह	ख़ूब इल्म वाला है	बहुत हिक्मत वाला है	और वो जिन्होंने	बना ली	एक मस्जिद	ज़रर पहुंचाने के लिए

وَّكُفْرًا	وَّتَفْرِيْقًا	بَيْنَ الْمُؤْمِنِيْنَ	وَاِرْصَادًا	لِّمَنْ
और कुफ़्र के लिए	और जुदाई डालने के लिए	दर्मियान ईमान वालों के	और घात लगाने के लिए	उस शख़्स के लिए जिसने

حَارَبَ	اللّٰهَ	وَرَسُوْلَهٗ	مِنْ قَبْلُ ط	وَلَيَحْلِفُنَّ	اِنْ	اَرَدْنَآ
जंग की	अल्लाह से	और उसके रसूल से	इससे पहले	और अलबत्ता वो ज़रूर क़समें खाएंगे	नहीं	इरादा किया था हमने

اِلَّا	الْحُسْنٰى ط	وَاللّٰهُ	يَشْهَدُ	اِنَّهُمْ	لَكٰذِبُوْنَ ﴿107﴾	لَا تَقُمْ
मगर	भलाई का	और अल्लाह	वो गवाही देता है	बेशक वो	अलबत्ता झूठे हैं	ना आप खड़े हों

فِيْهِ	اَبَدًا ط	لَمَسْجِدٌ	اُسِّسَ	عَلَى التَّقْوٰى	مِنْ اَوَّلِ يَوْمٍ
इसमें	कभी भी	अलबत्ता मस्जिद	जिसकी बुनियाद रखी गई	तक़्वा पर	पहले दिन से

اَحَقُّ	اَنْ	تَقُوْمَ	فِيْهِ ط	فِيْهِ	رِجَالٌ	يُّحِبُّوْنَ	اَنْ
ज़्यादा हक़दार है	कि	आप खड़े हों	उसमें	उसमें	कुछ लोग हैं	जो पसंद करते हैं	कि

يَّتَطَهَّرُوْا ط	وَاللّٰهُ	يُحِبُّ	الْمُطَّهِّرِيْنَ ﴿108﴾	اَفَمَنْ	اَسَّسَ	بُنْيَانَهٗ
वो पाक साफ़ रहें	और अल्लाह	वो पसंद करता है	पाक साफ़ रहने वालों को	क्या भला जिसने	बुनियाद रखी	अपनी इमारत की

عَلٰى تَقْوٰى	مِنَ اللّٰهِ	وَرِضْوَانٍ	خَيْرٌ	اَمْ	مَّنْ	اَسَّسَ	بُنْيَانَهٗ
तक़्वा पर	अल्लाह की तरफ़ से	और रज़ामंदी पर	बेहतर है	या	जिसने	बुनियाद रखी	अपनी इमारत की

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

عَلٰى شَفَا	جُرُفٍ	هَارٍ	فَانْهَارَ	بِهٖ	فِىْ نَارِ	جَهَنَّمَ ؕ	وَاللّٰهُ
एक किनारे पर	खाई	गिरने वाली की	तो वो ले गिरी	उसे	आग में	जहन्नम की	और अल्लाह

لَا يَهْدِى	الْقَوْمَ	الظّٰلِمِيْنَ ﴿109﴾	لَا يَزَالُ	بُنْيَانُهُمُ	الَّذِىْ	بَنَوْا
नहीं वो हिदायत देता	उन लोगों को	जो ज़ालिम हैं	हमेशा रहेगी	इमारत उनकी	वो जो	उन्होंने बनाई

رِيْبَةً	فِىْ قُلُوْبِهِمْ	اِلَّآ	اَنْ	تَقَطَّعَ	قُلُوْبُهُمْ ؕ	وَاللّٰهُ
शक का सबब	उनके दिलों में	मगर	ये कि	टुकड़े-टुकड़े हो जाऐं	दिल उनके	और अल्लाह

ع 13 11 2

عَلِيْمٌ	حَكِيْمٌ ﴿110﴾ ع	اِنَّ	اللّٰهَ	اشْتَرٰى	مِنَ الْمُؤْمِنِيْنَ	اَنْفُسَهُمْ
ख़ूब जानने वाला है	बहुत हिक्मत वाला है	बेशक	अल्लाह ने	ख़रीद लीं	मोमिनों से	जानें उनकी

وَاَمْوَالَهُمْ	بِاَنَّ	لَهُمُ	الْجَنَّةَ ؕ	يُقَاتِلُوْنَ	فِىْ سَبِيْلِ اللّٰهِ
और माल उनके	बवजह इसके कि	उनके लिए	जन्नत है	वो जंग करते हैं	अल्लाह के रास्ते में

فَيَقْتُلُوْنَ	وَيُقْتَلُوْنَ قف	وَعْدًا	عَلَيْهِ	حَقًّا	فِى التَّوْرٰىةِ
फिर वो मारते हैं	और वो मारे जाते हैं	वादा है	उसके ज़िम्मे	सच्चा	तौरात में

وَالْاِنْجِيْلِ	وَالْقُرْاٰنِ ؕ	وَمَنْ	اَوْفٰى	بِعَهْدِهٖ	مِنَ اللّٰهِ
और इंजील	और कुरआन में	और कौन	ज़्यादा पूरा करने वाला है	अपने अहद को	अल्लाह से

فَاسْتَبْشِرُوْا	بِبَيْعِكُمُ	الَّذِىْ	بَايَعْتُمْ	بِهٖ ؕ	وَذٰلِكَ	هُوَ
पस ख़ुशियां मनाओ	अपने सौदे पर	वो जो	सौदा किया तुमने	साथ उसके	और ये	वो ही है

الْفَوْزُ	الْعَظِيْمُ ﴿111﴾	اَلتَّآئِبُوْنَ	الْعٰبِدُوْنَ	الْحٰمِدُوْنَ	السَّآئِحُوْنَ
कामयाबी	बहुत बड़ी	जो तौबा करने वाले	इबादत करने वाले	हम्द करने वाले	सियाहत करने वाले

الرّٰكِعُوْنَ	السّٰجِدُوْنَ	الْاٰمِرُوْنَ	بِالْمَعْرُوْفِ	وَالنَّاهُوْنَ
रुकू करने वाले	सज्दा करने वाले	हुक्म देने वाले	नेकी का	और रोकने वाले

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

الْمُؤْمِنِيْنَ (112)	وَبَشِّرِ	لِحُدُوْدِ اللّٰهِ ؕ	وَالْحٰفِظُوْنَ	عَنِ الْمُنْكَرِ
मोमिनों को	और ख़ुश ख़बरी दे दीजिए	अल्लाह की हुदूद की	और हिफ़ाज़त करने वाले हैं	बुराई से

لِلْمُشْرِكِيْنَ	يَّسْتَغْفِرُوْا	اَنْ	اٰمَنُوْٓا	وَالَّذِيْنَ	لِلنَّبِيِّ	كَانَ	مَا
मुशरिकीन के लिए	वो बख़्शिश मांगें	कि	जो ईमान लाए	और उनके	नबी के	है (लायक़)	नहीं

اَنَّهُمْ	لَهُمْ	تَبَيَّنَ	مَا	مِنْۢ بَعْدِ	اُولِيْ قُرْبٰى	كَانُوْٓا	وَلَوْ
कि बेशक वो	उनके लिए	वाज़ेह हो गया	जो	बाद इसके	क़राबत वाले	हों वो	और अगरचे

لِاَبِيْهِ	اِبْرٰهِيْمَ	اسْتِغْفَارُ	كَانَ	وَمَا	الْجَحِيْمِ (113)	اَصْحٰبُ
अपने बाप के लिए	इब्राहीम का	इस्तग़फ़ार करना	था	और ना	जहन्नम के	साथी हैं

اَنَّهٗ	لَهٗٓ	تَبَيَّنَ	فَلَمَّا	اِيَّاهُ ۚ	وَّعَدَهَآ	عَنْ مَّوْعِدَةٍ	اِلَّا
कि बेशक वो	उसके लिए	ज़ाहिर हो गया	फिर जब	उस से	उसने वादा किया उसका	एक वादे की वजह से	मगर

لَاَوَّاهٌ	اِبْرٰهِيْمَ	اِنَّ	مِنْهُ ؕ	تَبَرَّاَ	لِلّٰهِ	عَدُوٌّ
अलबत्ता बहुत आह व ज़ारी करने वाला	इब्राहीम	बेशक	उससे	वो बेज़ार हो गया	अल्लाह का	दुश्मन है

اِذْ	بَعْدَ	قَوْمًاۢ	لِيُضِلَّ	اللّٰهُ	كَانَ	وَمَا	حَلِيْمٌ (114)
जब	बाद इसके	किसी क़ौम को	कि वो भटका दे	अल्लाह	है	और नहीं	बहुत बुर्दबार था

اللّٰهَ	اِنَّ	يَتَّقُوْنَ ؕ	مَّا	لَهُمْ	يُبَيِّنَ	حَتّٰى	هَدٰىهُمْ
अल्लाह	बेशक	वो बचें	वो जिससे	उनके लिए	वो वाज़ेह कर दे	यहां तक कि	उसने हिदायत दी उन्हें

السَّمٰوٰتِ	مُلْكُ	لَهٗ	اللّٰهَ	اِنَّ	عَلِيْمٌ (115)	شَيْءٍ	بِكُلِّ
आसमानों	बादशाहत	उसी के लिए है	अल्लाह	बेशक	ख़ूब इल्म रखने वाला है	चीज़ का	हर

مِنْ وَّلِيٍّ	اللّٰهِ	مِّنْ دُوْنِ	لَكُمْ	وَمَا	وَيُمِيْتُ ؕ	يُحْيٖ	وَالْاَرْضِ ؕ
कोई दोस्त	अल्लाह के	सिवाए	तुम्हारे लिए	और नहीं	और वो मौत देता है	वो ज़िंदा करता है	और ज़मीन की

© AL-HUDA INTERNATIONL WELFARE FOUNDATION

وَالْمُهٰجِرِيْنَ	عَلَى النَّبِيِّ	اللّٰهُ	تَّابَ	لَقَدْ	نَّصِيْرٍ (116)	وَّلَا
और मुहाजिरीन	नबी पर	अल्लाह	मेहरबान हुआ	अलबत्ता तहक़ीक	कोई मददगार	और ना

مَا كَادَ	مِنْۢ بَعْدِ	الْعُسْرَةِ	فِيْ سَاعَةِ	اتَّبَعُوْهُ	الَّذِيْنَ	وَالْاَنْصَارِ
जो क़रीब था कि	बाद इसके	तंगी की	घड़ी में	पैरवी की उसकी	जिन्होंने	और अंसार पर

اِنَّهٗ	عَلَيْهِمْ ؕ	تَابَ	ثُمَّ	مِّنْهُمْ	فَرِيْقٍ	قُلُوْبُ	يَزِيْغُ
बेशक वो	उन पर	वो मेहरबान हुआ	फिर	उनमें से	एक गिरोह के	दिल	टेढ़े हो जाते

خُلِّفُوْا ؕ	الَّذِيْنَ	وَّعَلَى الثَّلٰثَةِ	رَّحِيْمٌ (117) ۙ	رَءُوْفٌ	بِهِمْ
छोड़ दिए गए	जो	और इन तीनों पर(भी)	निहायत रहम करने वाला है	बहुत शफ़क़त करने वाला है	उन पर

وَضَاقَتْ	رَحُبَتْ	بِمَا	الْاَرْضُ	عَلَيْهِمُ	ضَاقَتْ	اِذَا	حَتّٰٓى
और तंग हो गए	कि वो कुशादा थी	बावजूद इसके	ज़मीन	उन पर	तंग हो गई	जब	यहां तक कि

اِلَيْهِ ؕ	اِلَّآ	مِنَ اللّٰهِ	لَّا مَلْجَاَ	اَنْ	وَظَنُّوْٓا	اَنْفُسُهُمْ	عَلَيْهِمْ
तरफ़ उसी के	मगर	अल्लाह से	नहीं कोई जाए पनाह	कि	और उन्होंने यक़ीन कर लिया	नफ़्स उनके	उन पर

التَّوَّابُ	هُوَ	اللّٰهَ	اِنَّ	لِيَتُوْبُوْا ؕ	عَلَيْهِمْ	تَابَ	ثُمَّ
बहुत तौबा क़ुबूल करने वाला	वो ही है	अल्लाह	बेशक	ताकि वो तौबा करें	उन पर	वो मेहरबान हुआ	फिर

ع 14 8 3

مَعَ	وَكُوْنُوْا	اللّٰهَ	اتَّقُوا	اٰمَنُوا	يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	الرَّحِيْمُ (118) ع
साथ	और हो जाओ	अल्लाह से	डरो	ईमान लाए हो	ऐ लोगो जो	निहायत रहम करने वाला

حَوْلَهُمْ	وَمَنْ	لِاَهْلِ الْمَدِيْنَةِ	كَانَ	مَا	الصّٰدِقِيْنَ (119)
उनके आस पास थे	और उनके जो	मदीना वालों के (लायक़)	था	ना	सच्चे लोगों के

يَرْغَبُوْا	وَلَا	عَنْ رَّسُوْلِ اللّٰهِ	يَّتَخَلَّفُوْا	اَنْ	مِّنَ الْاَعْرَابِ
कि वो रग़बत रखें	और ना	अल्लाह के रसूल से	वो पीछे रह जाएं	कि	देहातियों/बदवियों में से

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَّلَا	ظَمَاٌ	لَا يُصِيْبُهُمْ	بِاَنَّهُمْ	ذٰلِكَ	عَنْ نَّفْسِهٖ ط	بِاَنْفُسِهِمْ
और ना	कोई प्यास	नहीं पहुंचती उन्हें	बवजह इसके कि वो	ये	आपकी जान से(ज़्यादा)	अपनी जानों की

مَوْطِئًا	يَطَـُٔوْنَ	وَلَا	فِيْ سَبِيْلِ اللّٰهِ	مَخْمَصَةٌ	وَّلَا	نَصَبٌ
किसी जगह को	वो रौंदते	और नहीं	अल्लाह के रास्ते में	कोई भूख	और ना	कोई थकावट

كُتِبَ	اِلَّا	نَّيْلًا	مِنْ عَدُوٍّ	يَنَالُوْنَ	وَلَا	الْكُفَّارَ	يَّغِيْظُ
लिखा जाता है	मगर	कोई कामयाबी	दुश्मन पर	वो हासिल करते	और नहीं	कुफ़्फ़ार को	जो गुस्सा दिलाए

اَجْرَ	لَا يُضِيْعُ	اللّٰهَ	اِنَّ	صَالِحٌ ط	عَمَلٌ	بِهٖ	لَهُمْ
अज्र	नहीं वो ज़ाया करता	अल्लाह	बेशक	नेक	अमल	साथ इसके	उनके लिए

وَّلَا	كَبِيْرَةً	وَّلَا	صَغِيْرَةً	نَفَقَةً	يُنْفِقُوْنَ	وَلَا	الْمُحْسِنِيْنَ ﴿120﴾ لا
और नहीं	बड़ा	और ना	छोटा	कोई ख़र्च करना	वो ख़र्च करते	और नहीं	नेको कारों का

اَحْسَنَ	اللّٰهُ	لِيَجْزِيَهُمُ	لَهُمْ	كُتِبَ	اِلَّا	وَادِيًا	يَقْطَعُوْنَ
बहुत अच्छा	अल्लाह	ताकि बदला दे उन्हें	उनके लिए	लिखा जाता है (अजर)	मगर	कोई वादी	वो तै करते

كَآفَّةً ط	لِيَنْفِرُوْا	الْمُؤْمِنُوْنَ	كَانَ	وَمَا	يَعْمَلُوْنَ ﴿121﴾	كَانُوْا	مَا
सारे के सारे	कि वो निकल पड़ें	मोमिनों के (लायक़)	है	और नहीं	वो अमल करते	थे वो	उसका जो

لِّيَتَفَقَّهُوْا	طَآئِفَةٌ	مِّنْهُمْ	مِنْ كُلِّ فِرْقَةٍ	نَفَرَ	فَلَوْلَا
ताकि वो समझ बूझ हासिल करें	एक जमाअत	उनमें से	हर गिरोह से	निकली	फिर क्यों ना

لَعَلَّهُمْ	اِلَيْهِمْ	رَجَعُوْٓا	اِذَا	قَوْمَهُمْ	وَلِيُنْذِرُوْا	فِي الدِّيْنِ
ताकि वो	तरफ़ उनके	वो लौटें	जब	अपनी क़ौम को	और ताकि वो डराएं	दीन में

يَلُوْنَكُمْ	الَّذِيْنَ	قَاتِلُوا	اٰمَنُوْا	يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	يَحْذَرُوْنَ ﴿122﴾ ع	15 ع 4 4
तुम्हारे आस पास हैं	उनसे जो	जंग करो	ईमान लाए हो	ऐ लोगो जो	वो डरें	

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

ربع

اللّٰهَ	اَنَّ	وَاعْلَمُوْٓا	غِلْظَةً ؕ	فِيْكُمْ	وَلْيَجِدُوْا	مِّنَ الْكُفَّارِ
अल्लाह	बेशक	और जान लो	सख़्ती	तुम में	और चाहिए कि वो पाएं	कुफ़्फ़ार में से

يَّقُوْلُ	مَّنْ	فَمِنْهُمْ	سُوْرَةٌ	اُنْزِلَتْ	وَاِذَا مَآ	الْمُتَّقِيْنَ (123)	مَعَ
कहता है	जो	तो उनमें से कोई है	कोई सूरत	नाज़िल की जाती है	और जब भी	मुत्तक़ी लोगों के	साथ है

اٰمَنُوْا	الَّذِيْنَ	فَاَمَّا	اِيْمَانًا ۚ	هٰذِهٖٓ	زَادَتْهُ	اَيُّكُمْ
ईमान लाए	वो जो	तो रहे	ईमान में	इस (सूरत) ने	ज़्यादा किया उसको	कौन है तुम में

الَّذِيْنَ	وَاَمَّا	يَسْتَبْشِرُوْنَ (124)	وَّهُمْ	اِيْمَانًا	فَزَادَتْهُمْ
वो लोग	और रहे	वो ख़ुश होते हैं	और वो	ईमान में	तो उसने ज़्यादा कर दिया उन्हें

وَمَاتُوْا	اِلٰى رِجْسِهِمْ	رِجْسًا	فَزَادَتْهُمْ	مَّرَضٌ	فِيْ قُلُوْبِهِمْ
और वो मर गए	तरफ़ उनकी नजासत के	नजासत में	तो उसने ज़्यादा कर दिया उन्हें	मर्ज़ है	दिलों में जिनके

فِيْ كُلِّ عَامٍ	يُفْتَنُوْنَ	اَنَّهُمْ	يَرَوْنَ	اَوَلَا	كٰفِرُوْنَ (125)	وَهُمْ
हर साल में	आज़माए जाते हैं	कि बेशक वो	वो देखते	क्या भला नहीं	काफ़िर थे	इस हाल में कि वो

يَذَّكَّرُوْنَ (126)	هُمْ	وَلَا	لَا يَتُوْبُوْنَ	ثُمَّ	مَرَّتَيْنِ	اَوْ	مَّرَّةً
वो नसीहत पकड़ते	वो	और ना	नहीं वो तौबा करते	फिर	दो बार	या	एक बार

هَلْ	اِلٰى بَعْضٍ ؕ	بَعْضُهُمْ	نَّظَرَ	سُوْرَةٌ	اُنْزِلَتْ	وَاِذَا مَآ
क्या	तरफ़ बाज़ के	बाज़ उनका	देखता है	कोई सूरत	नाज़िल की जाती है	और जब भी

قُلُوْبَهُمْ	اللّٰهُ	صَرَفَ	انْصَرَفُوْا ؕ	ثُمَّ	مِّنْ اَحَدٍ	يَرٰىكُمْ
उनके दिलों को	अल्लाह ने	फेर दिया	वो फिर जाते हैं	फिर	कोई एक	देख रहा है तुम्हें

مِّنْ اَنْفُسِكُمْ	رَسُوْلٌ	جَآءَكُمْ	لَقَدْ	لَّا يَفْقَهُوْنَ (127)	قَوْمٌ	بِاَنَّهُمْ
तुम्हारे नफ़्सों में से	एक रसूल	आ गया तुम्हारे पास	अलबत्ता तहक़ीक़	नहीं वो समझते	ऐसे लोग हैं	बवजह इसके कि वो

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

عَزِيۡزٌ	عَلَيۡهِ	مَا عَنِتُّمۡ	حَرِيۡصٌ	عَلَيۡكُمۡ	بِالۡمُؤۡمِنِيۡنَ
गिरां है	उस पर	कि मशक़्क़त में पड़ो तुम	हरीस है	तुम पर(भलाई का)	मोमिनों पर

رَءُوۡفٌ	رَّحِيۡمٌ ⑫⑧	فَاِنۡ	تَوَلَّوۡا	فَقُلۡ	حَسۡبِىَ	اللّٰهُ ۖ قف	لَاۤ
बहुत शफ़क़त करने वाला है	निहायत रहम करने वाला है	फिर अगर	वो मुंह मोड़ें	तो कह दीजिए	काफ़ी है मुझे	अल्लाह	नहीं

اِلٰهَ	اِلَّا	هُوَ ؕ	عَلَيۡهِ	تَوَكَّلۡتُ	وَهُوَ	رَبُّ	الۡعَرۡشِ	الۡعَظِيۡمِ ⑫⑨ ع
कोई इलाह(बरहक़)	मगर	वो ही	उसी पर	भरोसा किया मैंने	और वो	रब है	अरशे	अज़ीम का

ع 16 7 5

اٰيَاتُهَا : 109 — 10 سُوۡرَةُ يُوۡنُسَ مَكِّيَّةٌ 51 — رُكُوۡعَاتُهَا : 11

بِسۡمِ اللّٰهِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِيۡمِ

الٓرٰ ۚ قف	تِلۡكَ	اٰيٰتُ	الۡكِتٰبِ	الۡحَكِيۡمِ ①	اَكَانَ	لِلنَّاسِ
अलिफ़	ये	आयात हैं	किताब	हिक्मत वाली की	क्या है	लोगों के लिए

منزل 3

عَجَبًا	اَنۡ	اَوۡحَيۡنَاۤ	اِلٰى رَجُلٍ	مِّنۡهُمۡ	اَنۡ	اَنۡذِرِ	النَّاسَ
अजीब बात	कि	वही की हमने	तरफ़ एक शख़्स के	उनमें से	कि	डराइए	लोगों को

وَبَشِّرِ	الَّذِيۡنَ	اٰمَنُوۡۤا	اَنَّ	لَهُمۡ	قَدَمَ	صِدۡقٍ	عِنۡدَ
और ख़ुश ख़बरी दे दीजिए	उन्हें जो	ईमान लाए	कि बेशक	उनके लिए	मर्तबा है	सच्चा	पास

رَبِّهِمۡ ؕ	قَالَ	الۡكٰفِرُوۡنَ	اِنَّ	هٰذَا	لَسٰحِرٌ	مُّبِيۡنٌ ②	اِنَّ
उनके रब के	कहा	काफ़िरों ने	बेशक	ये	अलबत्ता जादूगर है	खुल्लम-खुल्ला	बेशक

وقف النبی صلی اللہ علیہ وسلم

رَبَّكُمُ	اللّٰهُ	الَّذِىۡ	خَلَقَ	السَّمٰوٰتِ	وَالۡاَرۡضَ	فِىۡ سِتَّةِ اَيَّامٍ
रब तुम्हारा	अल्लाह है	जिसने	पैदा किया	आसमानों	और ज़मीन को	छः दिनों में

ثُمَّ	اسۡتَوٰى	عَلَى الۡعَرۡشِ	يُدَبِّرُ	الۡاَمۡرَ ؕ	مَا	مِنۡ شَفِيۡعٍ	اِلَّا
फिर	वो बुलंद हुआ	अर्श पर	वो तदबीर करता है	तमाम मामलात की	नहीं	कोई सिफ़ारशी	मगर

AL-HIDAYA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

اَفَلَا	فَاعۡبُدُوۡهُ ؕ	رَبُّكُمۡ	اللّٰهُ	ذٰلِكُمُ	اِذۡنِهٖ ؕ	مِنۡۢ بَعۡدِ
क्या भला नहीं	पस इबादत करो उसकी	रब तुम्हारा	अल्लाह	यही है	उसके इज़्न के	बाद

اِنَّهٗ	حَقًّا ؕ	اللّٰهِ	وَعۡدَ	جَمِيۡعًا ؕ	مَرۡجِعُكُمۡ	اِلَيۡهِ	تَذَكَّرُوۡنَ ③
बेशक वो	सच्चा	अल्लाह का	वादा है	सब के सब का	लौटना है तुम्हारा	तरफ़ उसी के	तुम नसीहत पकड़ते

وَعَمِلُوا	اٰمَنُوۡا	الَّذِيۡنَ	لِيَجۡزِىَ	يُعِيۡدُهٗ	ثُمَّ	الۡخَلۡقَ	يَبۡدَؤُا
और उन्होंने अमल किए	ईमान लाए	उन्हें जो	ताकि वो बदला दे	वो दोबारा लौटाएगा उसे	फिर	पैदाइश की	वो इब्तिदा करता है

مِّنۡ حَمِيۡمٍ	شَرَابٌ	لَهُمۡ	كَفَرُوۡا	وَالَّذِيۡنَ	بِالۡقِسۡطِ ؕ	الصّٰلِحٰتِ
सख़्त गर्म पानी का	पीना है	उनके लिए	कुफ़्र किया	और वो जिन्होंने	साथ इंसाफ़ के	नेक

جَعَلَ	الَّذِىۡ	هُوَ	يَكۡفُرُوۡنَ ④	كَانُوۡا	بِمَا	اَلِيۡمٌۢ	وَّعَذَابٌ
बनाया	जिसने	वो ही है	वो कुफ़्र करते	थे वो	बवजह उसके जो	दर्दनाक	और अज़ाब है

لِتَعۡلَمُوۡا	مَنَازِلَ	وَّقَدَّرَهٗ	نُوۡرًا	وَّالۡقَمَرَ	ضِيَآءً	الشَّمۡسَ
ताकि तुम जान लो	मंज़िलें	और उसने मुक़र्रर कीं उसकी	मुनव्वर	और चांद को	रोशन	सूरज को

اِلَّا	ذٰلِكَ	اللّٰهُ	خَلَقَ	مَا	وَالۡحِسَابَ ؕ	السِّنِيۡنَ	عَدَدَ
मगर	ये (सब)	अल्लाह ने	पैदा किया	नहीं	और हिसाब	सालों की	गिनती

فِى اخۡتِلَافِ	اِنَّ	يَّعۡلَمُوۡنَ ⑤	لِقَوۡمٍ	الۡاٰيٰتِ	يُفَصِّلُ	بِالۡحَقِّ ۚ
इख़्तिलाफ़ में	बेशक	जो इल्म रखते हैं	उन लोगों के लिए	आयात को	वो खोल कर बयान करता है	साथ हक़ के

لَاٰيٰتٍ	وَالۡاَرۡضِ	فِى السَّمٰوٰتِ	اللّٰهُ	خَلَقَ	وَمَا	وَالنَّهَارِ	الَّيۡلِ
अलबत्ता निशानिया हैं	और ज़मीन में	आसमानों में	अल्लाह ने	पैदा किया	और जो	और दिन के	रात

لِقَآءَنَا	لَا يَرۡجُوۡنَ	الَّذِيۡنَ	اِنَّ	يَّتَّقُوۡنَ ⑥	لِّقَوۡمٍ
हमारी मुलाक़ात की	नहीं वो उम्मीद रखते	वो लोग जो	बेशक	जो डरते हैं	उन लोगों के लिए

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَرَضُوْا	بِالْحَيٰوةِ	الدُّنْيَا	وَاطْمَاَنُّوْا	بِهَا	وَالَّذِيْنَ	هُمْ
और वो राज़ी हो गए	ज़िंदगी पर	दुनिया की	और वो मुत्मइन हो गए	उस पर	और वो जो	वो

عَنْ اٰيٰتِنَا	غٰفِلُوْنَ ۙ (7)	اُولٰٓئِكَ	مَاْوٰىهُمُ	النَّارُ	بِمَا	كَانُوْا
हमारी आयात से	ग़ाफ़िल हैं	यही लोग हैं	ठिकाना उनका	आग है	बवजह उसके जो	थे वो

يَكْسِبُوْنَ (8)	اِنَّ	الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا	وَعَمِلُوا	الصّٰلِحٰتِ	يَهْدِيْهِمْ
वो कमाई करते	बेशक	वो लोग जो	ईमान लाए	और उन्होंने अमल किए	नेक	रहनुमाई करेगा उनकी

رَبُّهُمْ	بِاِيْمَانِهِمْ ۚ	تَجْرِيْ	مِنْ تَحْتِهِمُ	الْاَنْهٰرُ	فِيْ جَنّٰتِ
रब उनका	बवजह उनके ईमान के	बहती हैं	उनके नीचे से	नहरें	बाग़ात में

النَّعِيْمِ (9)	دَعْوٰىهُمْ	فِيْهَا	سُبْحٰنَكَ	اللّٰهُمَّ	وَتَحِيَّتُهُمْ	فِيْهَا
नेअमतों वाले	उनकी दुआ (होगी)	उसमें	पाक है तू	ऐ अल्लाह	और दुआ उनकी	उसमें

سَلٰمٌ ۚ	وَاٰخِرُ	دَعْوٰىهُمْ	اَنِ	الْحَمْدُ	لِلّٰهِ	رَبِّ	الْعٰلَمِيْنَ (10) ع
सलाम (होगा)	और आख़िरी	पुकार उनकी (होगी)	ये कि	सब तारीफ़	अल्लाह के लिए है	जो रब है	तमाम जहानों का

ع 1 10 6

وَلَوْ	يُعَجِّلُ	اللّٰهُ	لِلنَّاسِ	الشَّرَّ	اسْتِعْجَالَهُمْ	بِالْخَيْرِ
और अगर	जल्दी करता	अल्लाह	लोगों के लिए	बुराई को (देने में)	(जैसे) जल्दी मांगना है उनका	भलाई को

لَقُضِيَ	اِلَيْهِمْ	اَجَلُهُمْ ؕ	فَنَذَرُ	الَّذِيْنَ	لَا يَرْجُوْنَ	لِقَآءَنَا
अलबत्ता पूरी कर दी जाए	तरफ़ उनके	मुद्दत उनकी	तो हम छोड़ देते हैं	उन्हें जो	नहीं वो उम्मीद रखते	हमारी मुलाक़ात की

فِيْ طُغْيَانِهِمْ	يَعْمَهُوْنَ (11)	وَاِذَا	مَسَّ	الْاِنْسَانَ	الضُّرُّ	دَعَانَا
अपनी सरकशी में	वो भटकते फिरते हैं	और जब	पहुंचती है	इंसान को	तकलीफ़	वो पुकारता है हमें

لِجَنْۢبِهٖٓ	اَوْ	قَاعِدًا	اَوْ	قَآئِمًا ۚ	فَلَمَّا	كَشَفْنَا	عَنْهُ	ضُرَّهٗ
अपनी करवट पर	या	बैठे हुए	या	खड़े हुए	फिर जब	हम हटा देते हैं	उस से	तकलीफ़ उसकी

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

كَذٰلِكَ	مَّسَّهٗ ؕ	اِلٰى ضُرٍّ	يَدْعُنَآ	لَّمْ	كَاَنْ	مَرَّ
इसी तरह	जो पहुंची उसे	तरफ़ किसी तकलीफ़ के	पुकारा था उसने हमें	नहीं	गोया कि	वो चल देता है

اَهْلَكْنَا	وَلَقَدْ	يَعْمَلُوْنَ ⑫	كَانُوْا	مَا	لِلْمُسْرِفِيْنَ	زُيِّنَ
हलाक किया हमने	और अलबत्ता तहक़ीक़	वो अमल करते	थे वो	जो	हद से बढ़ने वालों के लिए	मुज़य्यन कर दिए गए

بِالْبَيِّنٰتِ	رُسُلُهُمْ	وَجَآءَتْهُمْ	ظَلَمُوْا ۙ	لَمَّا	مِنْ قَبْلِكُمْ	الْقُرُوْنَ
साथ वाज़ेह निशानियों के	रसूल उनके	और आए उनके पास	उन्होंने ज़ुल्म किया	जब	तुमसे पहले	उम्मतों को

الْمُجْرِمِيْنَ ⑬	الْقَوْمَ	نَجْزِى	كَذٰلِكَ	لِيُؤْمِنُوْا ؕ	كَانُوْا	وَمَا
जो मुजरिम हैं	उन लोगों को	हम बदला देते हैं	इसी तरह	कि वो ईमान ले आते	थे वो	और ना

كَيْفَ	لِنَنْظُرَ	مِنْۢ بَعْدِهِمْ	فِى الْاَرْضِ	خَلٰٓئِفَ	جَعَلْنٰكُمْ	ثُمَّ
किस तरह	ताकि हम देखें	बाद उनके	ज़मीन में	जानशीन	बनाया हमने तुम्हें	फिर

قَالَ	بَيِّنٰتٍ ۙ	اٰيَاتُنَا	عَلَيْهِمْ	تُتْلٰى	وَاِذَا	تَعْمَلُوْنَ ⑭
कहते हैं	वाज़ेह	आयात हमारी	उन पर	पढ़ी जाती हैं	और जब	तुम अमल करते हो

بَدِّلْهُ ؕ	اَوْ	غَيْرِ هٰذَآ	بِقُرْاٰنٍ	ائْتِ	لِقَآءَنَا	لَا يَرْجُوْنَ	الَّذِيْنَ
बदल दो इसे	या	इलावा इसके	क़ुरआन	ले आओ	हमारी मुलाक़ात की	नहीं वो उम्मीद रखते	वो जो

مِنْ تِلْقَآئِ نَفْسِىْ ۚ	اُبَدِّلَهٗ	اَنْ	لِىْٓ	يَكُوْنُ	مَا	قُلْ
अपनी तरफ़ से	मैं बदल दूं इसे	कि	मेरे लिए	है	नहीं	कह दीजिए

اِنْ	اَخَافُ	اِنِّىْٓ	اِلَىَّ ۚ	يُوْحٰٓى	مَا	اِلَّا	اَتَّبِعُ	اِنْ
अगर	मैं डरता हूं	बेशक मैं	मेरी तरफ़	वही की जाती है	उसकी जो	मगर	मैं पैरवी करता	नहीं

اللّٰهُ	شَآءَ	لَوْ	قُلْ	يَوْمٍ عَظِيْمٍ ⑮	عَذَابَ	رَبِّىْ	عَصَيْتُ
अल्लाह	चाहता	अगर	कह दीजिए	बड़े दिन के	अज़ाब से	अपने रब की	नाफ़रमानी की मैंने

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

مَا	تَلَوْتُهٗ	عَلَيْكُمْ	وَلَآ	اَدْرٰىكُمْ	بِهٖ ۖ	فَقَدْ	لَبِثْتُ
ना	पढ़ता मैं उसे	तुम पर	और ना	(अल्लाह) ख़बर देता तुम्हें	उसकी	पस तहक़ीक़	ठहरा रहा मैं

فِيْكُمْ	عُمُرًا	مِّنْ قَبْلِهٖ ؕ	اَفَلَا	تَعْقِلُوْنَ ⑯	فَمَنْ	اَظْلَمُ	مِمَّنِ
तुम में	एक उमर	इस से पहले	क्या पस नहीं	तुम अक़्ल रखते	तो कौन	बड़ा ज़ालिम है	उससे जो

افْتَرٰى	عَلَى اللّٰهِ	كَذِبًا	اَوْ	كَذَّبَ	بِاٰيٰتِهٖ ؕ	اِنَّهٗ	لَا يُفْلِحُ
गढ़ ले	अल्लाह पर	झूठ	या	वो झुठलाए	उसकी आयात को	बेशक वो	नहीं वो फ़लाह पाते

الْمُجْرِمُوْنَ ⑰	وَيَعْبُدُوْنَ	مِنْ دُوْنِ	اللّٰهِ	مَا	لَا يَضُرُّهُمْ	وَلَا
जो मुजरिम हैं	और वो इबादत करते हैं	सिवाए	अल्लाह के	उसकी जो	नहीं वो नुक़्सान देता उन्हें	और ना

يَنْفَعُهُمْ	وَيَقُوْلُوْنَ	هٰٓؤُلَآءِ	شُفَعَآؤُنَا	عِنْدَ اللّٰهِ ؕ	قُلْ	اَتُنَبِّئُوْنَ
वो नफ़ा देता है उन्हें	और वो कहते हैं	ये हैं	सिफ़ारशी हमारे	अल्लाह के यहां	कह दीजिए	क्या तुम ख़बर देते हो

اللّٰهَ	بِمَا	لَا يَعْلَمُ	فِي السَّمٰوٰتِ	وَلَا	فِي الْاَرْضِ ؕ	سُبْحٰنَهٗ	وَتَعٰلٰى
अल्लाह को	उसकी जो	नहीं वो जानता	आसमानों में	और ना	ज़मीन में	पाक है वो	और वो बुलंदतर है

عَمَّا	يُشْرِكُوْنَ ⑱	وَمَا	كَانَ	النَّاسُ	اِلَّآ	اُمَّةً	وَّاحِدَةً
उससे जो	वो शरीक ठहराते हैं	और ना	थे	लोग	मगर	उम्मत	एक ही

فَاخْتَلَفُوْا ؕ	وَلَوْلَا	كَلِمَةٌ	سَبَقَتْ	مِنْ رَّبِّكَ	لَقُضِيَ
फिर उन्होंने इख़्तिलाफ़ किया	और अगर ना होती	एक बात	जो तैय हो चुकी	आपके रब की तरफ़ से	अलबत्ता फ़ैसला कर दिया जाता

بَيْنَهُمْ	فِيْمَا	فِيْهِ	يَخْتَلِفُوْنَ ⑲	وَيَقُوْلُوْنَ	لَوْلَآ	اُنْزِلَ
दर्मियान उनके	उस मामले में	जिसमें	वो इख़्तिलाफ़ कर रहे थे	और वो कहते हैं	क्यों ना	उतारी गई

عَلَيْهِ	اٰيَةٌ	مِّنْ رَّبِّهٖ ۚ	فَقُلْ	اِنَّمَا	الْغَيْبُ	لِلّٰهِ	فَانْتَظِرُوْا ۚ
उस पर	कोई निशानी	उसके रब की तरफ़ से	तो कह दीजिए	बेशक	ग़ैब	अल्लाह ही के लिए है	पस तुम इंतिज़ार करो

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

ع 2 10 7

اِنِّیْ	مَعَكُمْ	مِّنَ الْمُنْتَظِرِيْنَ ⑳ ع	وَ اِذَآ	اَذَقْنَا	النَّاسَ	رَحْمَةً
बेशक मैं	तुम्हारे साथ	इन्तिज़ार करने वालों में से हूं	और जब	मज़ा चखाते हैं हम	लोगों को	रहमत का

مِّنْۢ بَعْدِ	ضَرَّآءَ	مَسَّتْهُمْ	اِذَا	لَهُمْ	مَّكْرٌ	فِیْٓ اٰيَاتِنَا ط	قُلِ
बाद	मुसीबत के	जो पहुंची उन्हें	तब	उनके लिए	चालें चलना है	हमारी आयात में	कह दीजिए

اللّٰهُ	اَسْرَعُ	مَكْرًا ط	اِنَّ	رُسُلَنَا	يَكْتُبُوْنَ	مَا	تَمْكُرُوْنَ ㉑
अल्लाह	ज़्यादा तेज़ है	चाल चलने में	बेशक	फ़रिश्ते हमारे	लिख रहे हैं	जो	तुम चालें चल रहे हो

هُوَ	الَّذِیْ	يُسَيِّرُكُمْ	فِی الْبَرِّ	وَالْبَحْرِ ط	حَتّٰٓی	اِذَا	كُنْتُمْ
वो ही है	जो	चलाता है तुम्हें	ख़ुश्की में	और समुन्दर में	यहाँ तक कि	जब	होते हो तुम

فِی الْفُلْكِ ج	وَجَرَيْنَ	بِهِمْ	بِرِيْحٍ	طَيِّبَةٍ	وَّفَرِحُوْا	بِهَا
कश्तियों में	और वो ले चलती हैं	उन्हें	साथ हवा	उम्दा के	और वो ख़ुश होते हैं	साथ उसके

جَآءَتْهَا	رِيْحٌ	عَاصِفٌ	وَّجَآءَهُمُ	الْمَوْجُ	مِنْ كُلِّ مَكَانٍ
आ जाती है उन(कश्तियों) पर	हवा	शदीद	और आ जाती है उन पर	मौज	हर तरफ़ से

وَّظَنُّوْٓا	اَنَّهُمْ	اُحِيْطَ	بِهِمْ لا	دَعَوُا	اللّٰهَ	مُخْلِصِيْنَ	لَهُ
और वो समझते हैं	कि बेशक वो	घेर लिया गया है	उन्हें	वो पुकारते हैं	अल्लाह को	ख़ालिस करने वाले होकर	उसके लिए

الدِّيْنَ ۵ ج	لَئِنْ	اَنْجَيْتَنَا	مِنْ هٰذِهٖ	لَنَكُوْنَنَّ	مِنَ الشّٰكِرِيْنَ ㉒
दीन को	अलबत्ता अगर	निजात दी तूने हमें	इस से	अलबत्ता हम ज़रूर हो जाएंगे	शुक्र गुज़ारों में से

فَلَمَّآ	اَنْجٰهُمْ	اِذَا	هُمْ	يَبْغُوْنَ	فِی الْاَرْضِ	بِغَيْرِ	الْحَقِّ ط
फिर जब	वो निजात दे देता है उन्हें	तब	वो	वो बग़ावत करने लगते हैं	ज़मीन में	बग़ैर	हक़ के

يٰٓاَيُّهَا النَّاسُ	اِنَّمَا	بَغْيُكُمْ	عَلٰٓی اَنْفُسِكُمْ لا	مَّتَاعَ	الْحَيٰوةِ
ऐ लोगो	बेशक	बग़ावत तुम्हारी	तुम्हारे अपने ख़िलाफ़ है	फ़ायदा उठाना है	ज़िंदगी का

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

الدُّنْيَا	ثُمَّ	اِلَيْنَا	مَرْجِعُكُمْ	فَنُنَبِّئُكُمْ	بِمَا	كُنْتُمْ
दुनिया की	फिर	हमारी ही तरफ़	लौटना है तुम्हारा	फिर हम बताऐंगे तुम्हें	वो जो	थे तुम

تَعْمَلُوْنَ (23)	اِنَّمَا	مَثَلُ	الْحَيٰوةِ الدُّنْيَا	كَمَآءٍ	اَنْزَلْنٰهُ
तुम अमल करते रहे	बेशक	मिसाल	दुनिया की ज़िंदगी की	पानी की तरह है	उतारा हमने उसे

مِنَ السَّمَآءِ	فَاخْتَلَطَ	بِهٖ	نَبَاتُ	الْاَرْضِ	مِمَّا	يَاْكُلُ
आसमान से	फिर मिल-जुल गई	साथ इसके	नबातात	ज़मीन की	उसमें से जो	खाते हैं

النَّاسُ	وَالْاَنْعَامُ ط	حَتّٰٓى	اِذَآ	اَخَذَتِ	الْاَرْضُ	زُخْرُفَهَا
लोग	और जानवर (मवेशी)	यहां तक कि	जब	पकड़ लिया	ज़मीन ने	अपनी रौनक़ को

وَازَّيَّنَتْ	وَظَنَّ	اَهْلُهَآ	اَنَّهُمْ	قٰدِرُوْنَ	عَلَيْهَآ لا	اَتٰىهَآ
और वो मुज़य्यन हो गई	और समझ लिया	उसके रहने वालों ने	बेशक वो	क़ादिर हैं	उस पर	आ गया उस पर

اَمْرُنَا	لَيْلًا	اَوْ	نَهَارًا	فَجَعَلْنٰهَا	حَصِيْدًا	كَاَنْ	لَّمْ	تَغْنَ
हुक्म हमारा	रात को	या	दिन को	तो कर दिया हमने उसे	कटी हुई खेती	गोया कि	नहीं	वो बसी थी

بِالْاَمْسِ ط	كَذٰلِكَ	نُفَصِّلُ	الْاٰيٰتِ	لِقَوْمٍ	يَّتَفَكَّرُوْنَ (24)
कल	इसी तरह	हम खोल कर बयान करते हैं	आयात	उन लोगों के लिए	जो ग़ौरो फ़िक्र करते हैं

وَاللّٰهُ	يَدْعُوْٓا	اِلٰى	دَارِ السَّلٰمِ ط	وَيَهْدِيْ	مَنْ	يَّشَآءُ
और अल्लाह	वो बुला रहा है	तरफ़	सलामती वाले घर के	और वो हिदायत देता है	जिसे	वो चाहता है

اِلٰى صِرَاطٍ	مُّسْتَقِيْمٍ (25)	لِلَّذِيْنَ	اَحْسَنُوا	الْحُسْنٰى	وَزِيَادَةٌ ط
तरफ़ रास्ते	सीधे के	उनके लिए जिन्होंने	अच्छा किया	अच्छाई है	और ज़्यादा भी

وَلَا	يَرْهَقُ	وُجُوْهَهُمْ	قَتَرٌ	وَّلَا	ذِلَّةٌ ط	اُولٰٓئِكَ	اَصْحٰبُ
और ना	छाएगी	उनके चेहरों पर	स्याही	और ना	ज़िल्लत	यही लोग हैं	साथी

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

جَزَآءُ	السَّيِّاٰتِ	كَسَبُوا	وَالَّذِيْنَ	خٰلِدُوْنَ ﴿26﴾	فِيْهَا	هُمْ	الْجَنَّةِ ج
(तो) बदला	बुराईयां	कमाई	और वो जिन्होंने	हमेशा रहने वाले हैं	उसमें	वो	जन्नत के

مِّنَ اللّٰهِ	لَهُمْ	مَا	ذِلَّةٌ ط	وَتَرْهَقُهُمْ	بِمِثْلِهَا لا	سَيِّئَةٍ
अल्लाह से	उनके लिए	नहीं है	ज़िल्लत	और छा जाएगी उन पर	उसी की मानिंद है	बुराई का

مِّنَ الَّيْلِ	قِطَعًا	وُجُوْهُهُمْ	اُغْشِيَتْ	كَاَنَّمَآ	مِنْ عَاصِمٍ ج
रात के	टुकड़ों से	चेहरे उनके	ढांप दिए गए हैं	गोया कि	कोई बचाने वाला

وَيَوْمَ	خٰلِدُوْنَ ﴿27﴾	فِيْهَا	هُمْ	النَّارِ ج	اَصْحٰبُ	اُولٰٓئِكَ	مُظْلِمًا ط
और जिस दिन	हमेशा रहने वाले हैं	उसमें	वो	आग के	साथी	यही लोग हैं	तारीक

مَكَانَكُمْ	اَشْرَكُوْا	لِلَّذِيْنَ	نَقُوْلُ	ثُمَّ	جَمِيْعًا	نَحْشُرُهُمْ
(ठहरो) अपनी जगह	शिर्क किया	उनको जिन्होंने	हम कहेंगे	फिर	सब के सब को	हम इकट्ठा करेंगे उनको

شُرَكَآؤُهُمْ	وَقَالَ	بَيْنَهُمْ	فَزَيَّلْنَا	وَشُرَكَآؤُكُمْ ج	اَنْتُمْ
शरीक उनके	और कहेंगे	दर्मियान उनके	तो जुदाई डाल देंगे हम	और शरीक तुम्हारे	तुम

بَيْنَنَا	شَهِيْدًا	بِاللّٰهِ	فَكَفٰى	تَعْبُدُوْنَ ﴿28﴾	اِيَّانَا	كُنْتُمْ	مَّا
दर्मियान हमारे	गवाह	अल्लाह	पस काफ़ी है	तुम इबादत करते	सिर्फ़ हमारी ही	थे तुम	ना

تَبْلُوْا	هُنَالِكَ	لَغٰفِلِيْنَ ﴿29﴾	عَنْ عِبَادَتِكُمْ	كُنَّا	اِنْ	وَبَيْنَكُمْ
जांच लेगा	उसी जगह/वक़्त	अलबत्ता ग़ाफ़िल	तुम्हारी इबादत से	थे हम	बेशक	और दर्मियान तुम्हारे

الْحَقِّ	مَوْلٰىهُمُ	اِلَى اللّٰهِ	وَرُدُّوْٓا	اَسْلَفَتْ	مَّآ	نَفْسٍ	كُلُّ
सच्चा	जो मौला है उनका	तरफ़ अल्लाह के	और वो लौटाए जाऐंगे	उसने पहले किया	जो	नफ़्स	हर

يَّرْزُقُكُمْ	مَنْ	قُلْ	يَفْتَرُوْنَ ﴿30﴾ ع	كَانُوْا	مَّا	عَنْهُمْ	وَضَلَّ
रिज़्क़ देता है तुम्हें	कौन	कह दीजिए	वो गढ़ते	थे वो	जो	उनसे	और गुम हो जाएगा

ع 3 10 8 النصف

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

مِّنَ السَّمَآءِ	وَالْاَرْضِ	اَمَّنْ	يَّمْلِكُ	السَّمْعَ	وَالْاَبْصَارَ	وَمَنْ
आसमान से	और ज़मीन से	या कौन	मालिक हो सकता है	कानों	और आंखों का	और कौन

يُّخْرِجُ	الْحَيَّ	مِنَ الْمَيِّتِ	وَيُخْرِجُ	الْمَيِّتَ	مِنَ الْحَيِّ	وَمَنْ
निकालता है	ज़िंदा को	मुर्दा से	और निकालता है	मुर्दा को	ज़िंदा से	और कौन

يُّدَبِّرُ	الْاَمْرَ ؕ	فَسَيَقُوْلُوْنَ	اللّٰهُ ۚ	فَقُلْ	اَفَلَا	تَتَّقُوْنَ (31)
तदबीर करता है	काम की	तो वो ज़रूर कहेंगे	अल्लाह	तो कह दीजिए	क्या भला नहीं	तुम डरते

فَذٰلِكُمُ	اللّٰهُ	رَبُّكُمُ	الْحَقُّ ۚ	فَمَاذَا	بَعْدَ	الْحَقِّ	اِلَّا	الضَّلٰلُ ۚۖ
पस ये है	अल्लाह	रब तुम्हारा	सच्चा	तो क्या कुछ है	बाद	हक़ के	सिवाए	गुमराही के

فَاَنّٰى	تُصْرَفُوْنَ (32)	كَذٰلِكَ	حَقَّتْ	كَلِمَتُ	رَبِّكَ	عَلَى الَّذِيْنَ
तो कहां/किधर	तुम फेरे जाते हो	इसी तरह	हक़ हो गई	बात	आपके रब की	उन पर जिन्होंने

فَسَقُوْٓا	اَنَّهُمْ	لَا يُؤْمِنُوْنَ (33)	قُلْ	هَلْ	مِنْ شُرَكَآئِكُمْ	مَّنْ
नाफ़रमानी की	बेशक वो	नहीं वो ईमान लाएंगे	कह दीजिए	क्या है	तुम्हारे शरीकों में से कोई	जो

يَّبْدَؤُا	الْخَلْقَ	ثُمَّ	يُعِيْدُهٗ ؕ	قُلِ	اللّٰهُ	يَبْدَؤُا	الْخَلْقَ
इब्तिदा करता है	तख़लीक़ की	फिर	वो लौटाता हो उसे	कह दीजिए	अल्लाह	वो इब्तिदा करता है	तख़्लीक़ की

ثُمَّ	يُعِيْدُهٗ	فَاَنّٰى	تُؤْفَكُوْنَ (34)	قُلْ	هَلْ	مِنْ شُرَكَآئِكُمْ
फिर	वो ही लौटाएगा उसे	तो कहां/किधर	तुम फेरे जाते हो	कह दीजिए	क्या है	तुम्हारे शरीकों में से कोई

مَّنْ	يَّهْدِيْٓ	اِلَى الْحَقِّ ؕ	قُلِ	اللّٰهُ	يَهْدِيْ	لِلْحَقِّ ؕ	اَفَمَنْ
जो	रहनुमाई करता हो	तरफ़ हक़ के	कह दीजिए	अल्लाह	वो रहनुमाई करता है	तरफ़ हक़ के	क्या भला जो

يَّهْدِيْٓ	اِلَى الْحَقِّ	اَحَقُّ	اَنْ	يُّتَّبَعَ	اَمَّنْ	لَّا يَهِدِّيْٓ	اِلَّآ
रहनुमाई करता है	तरफ़ हक़ के	ज़्यादा हक़दार है	कि	वो पैरवी किया जाए	या जो	नहीं वो राह पाता	मगर

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

اَنْ	يُّهْدٰى ج	فَمَا	لَكُمْ قف	كَيْفَ	تَحْكُمُوْنَ (35)	وَمَا	يَتَّبِعُ
ये कि	वो रहनुमाई किया जाए	तो क्या है	तुम्हें	कैसे	तुम फ़ैसले करते हो	और नहीं	पैरवी करते

اَكْثَرُهُمْ	اِلَّا	ظَنًّا ط	اِنَّ	الظَّنَّ	لَا يُغْنِىْ	مِنَ الْحَقِّ	شَيْـًٔا ط
अक्सर उनके	मगर	गुमान की	बेशक	गुमान	नहीं काम आता	हक़ के मुक़ाबले में	कुछ भी

اِنَّ	اللّٰهَ	عَلِيْمٌۢ	بِمَا	يَفْعَلُوْنَ (36)	وَمَا	كَانَ	هٰذَا	الْقُرْاٰنُ
बेशक	अल्लाह	ख़ूब जानने वाला है	उसे जो	वो कर रहे हैं	और नहीं	है	ये	क़ुरआन

اَنْ	يُّفْتَرٰى	مِنْ دُوْنِ	اللّٰهِ	وَلٰكِنْ	تَصْدِيْقَ	الَّذِىْ	بَيْنَ يَدَيْهِ
कि	वो गढ़ लिया जाए	सिवाय	अल्लाह के	और लेकिन	तसदीक़ है	उस चीज़ की जो	इससे पहले है

وَتَفْصِيْلَ	الْكِتٰبِ	لَا رَيْبَ	فِيْهِ	مِنْ رَّبِّ	الْعٰلَمِيْنَ (37) قف	اَمْ
और तफ़सील है	किताब की	नहीं कोई शक	इसमें	रब की तरफ़ से है	तमाम जहानों के	या

يَقُوْلُوْنَ	افْتَرٰىهُ ط	قُلْ	فَاْتُوْا	بِسُوْرَةٍ	مِّثْلِهٖ	وَادْعُوْا	مَنِ
वो कहते हैं	इसने गढ़ लिया है उसे	कह दीजिए	पस ले आओ	एक सूरत	इस जैसी	और बुला लो	जिन्हें

اسْتَطَعْتُمْ	مِّنْ دُوْنِ	اللّٰهِ	اِنْ	كُنْتُمْ	صٰدِقِيْنَ (38)	بَلْ	كَذَّبُوْا
इस्तिताअत रखते हो तुम	सिवाय	अल्लाह के	अगर	हो तुम	सच्चे	बल्कि	उन्होंने झुठलाया

بِمَا	لَمْ	يُحِيْطُوْا	بِعِلْمِهٖ	وَلَمَّا	يَاْتِهِمْ	تَاْوِيْلُهٗ ط
उसे जो	नहीं	उन्होंने अहाता किया	जिसके इल्म का	हालांकि नहीं	आई उनके पास	तावील/हक़ीक़त उसकी

كَذٰلِكَ	كَذَّبَ	الَّذِيْنَ	مِنْ قَبْلِهِمْ	فَانْظُرْ	كَيْفَ	كَانَ
इसी तरह	झुठलाया	उन लोगों ने जो	उनसे पहले थे	तो देखो	किस तरह	हुआ

عَاقِبَةُ	الظّٰلِمِيْنَ (39)	وَمِنْهُمْ	مَّنْ	يُّؤْمِنُ	بِهٖ	وَمِنْهُمْ
अंजाम	ज़ालिमों का	और इनमें से कोई है	जो	ईमान लाता है	इस पर	और इनमें से कोई है

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

ع 4 10 9

وَاِنْ	بِالْمُفْسِدِيْنَ (40) ع	اَعْلَمُ	وَرَبُّكَ	بِهٖ ط	لَّا يُؤْمِنُ	مَّنْ
और अगर	फ़साद करने वालों को	ख़ूब जानता है	और रब आपका	इस पर	नहीं वो ईमान लाता	जो

اَنْتُمْ	عَمَلُكُمْ ج	وَلَكُمْ	عَمَلِيْ	لِّيْ	فَقُلْ	كَذَّبُوْكَ
तुम	अमल तुम्हारा	और तुम्हारे लिए है	अमल मेरा	मेरे लिए है	तो कह दीजिए	वो झुठलाएं आपको

وَمِنْهُمْ	تَعْمَلُوْنَ (41)	مِّمَّا	بَرِيْٓءٌ	وَاَنَا	اَعْمَلُ	مِّمَّآ	بَرِيْٓـُٔوْنَ
और कुछ उनमें से हैं	तुम अमल करते हो	उससे जो	बरीउज़्ज़िम्मा हूं	और मैं	मैं अमल करता हूं	उससे जो	बरीउज़्ज़िम्मा हो

وَلَوْ	الصُّمَّ	تُسْمِعُ	اَفَاَنْتَ	اِلَيْكَ ط	يَّسْتَمِعُوْنَ	مَّنْ
और अगरचे	बहरों को	सुनाऐंगे	क्या फिर आप	तरफ़ आपके	कान लगाते हैं	जो

اَفَاَنْتَ	اِلَيْكَ ط	يَّنْظُرُ	مَّنْ	وَمِنْهُمْ	لَا يَعْقِلُوْنَ (42)	كَانُوْا
क्या फिर आप	तरफ़ आपके	देखता है	जो	और उनमें से कोई है	ना वो अक़्ल रखते	हों वो

اللّٰهَ	اِنَّ	لَا يُبْصِرُوْنَ (43)	كَانُوْا	وَلَوْ	الْعُمْيَ	تَهْدِي
अल्लाह	बेशक	ना वो देखते	हों वो	और अगरचे	अंधों को	राह दिखाऐंगे

يَظْلِمُوْنَ (44)	اَنْفُسَهُمْ	النَّاسَ	وَّلٰكِنَّ	شَيْـًٔا	النَّاسَ	لَا يَظْلِمُ
वो ज़ुल्म करते हैं	अपनी ही जानों पर	लोग	और लेकिन	कुछ भी	लोगों पर	नहीं ज़ुल्म करता

مِّنَ النَّهَارِ	سَاعَةً	اِلَّا	يَلْبَثُوْٓا	لَّمْ	كَاَنْ	يَحْشُرُهُمْ	وَيَوْمَ
दिन की	एक घड़ी	मगर	वो ठहरे	नहीं	गोया कि	वो इकट्ठा करेगा उन्हें	और जिस दिन

بِلِقَآءِ	كَذَّبُوْا	الَّذِيْنَ	خَسِرَ	قَدْ	بَيْنَهُمْ ط	يَتَعَارَفُوْنَ
मुलाक़ात को	झुठलाया	जिन्होंने	ख़सारा पाया	तहक़ीक़	आपस में	वो एक दूसरे को पहचानते रहे

الَّذِيْ	بَعْضَ	نُرِيَنَّكَ	وَاِمَّا	مُهْتَدِيْنَ (45)	كَانُوْا	وَمَا	اللّٰهِ
वो चीज़ जो	बाज़	हम दिखाऐं आपको	और अगर	हिदायत पाने वाले	थे वो	और ना	अल्लाह की

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

نَعِدُهُمْ	اَوْ	نَتَوَفَّيَنَّكَ	فَاِلَيْنَا	مَرْجِعُهُمْ	ثُمَّ	اللّٰهُ	شَهِيْدٌ
हम वादा करते हैं उनसे	या	हम फ़ौत कर दें आपको	तो तरफ़ हमारे ही	लौटना है उनका	फिर	अल्लाह	ख़ूब गवाह है

عَلٰى	مَا	يَفْعَلُوْنَ (46)	وَلِكُلِّ	اُمَّةٍ	رَّسُوْلٌ ج	فَاِذَا	جَآءَ
इस पर	जो	वो करते हैं	और वास्ते हर	उम्मत के	एक रसूल है	फिर जब	आ जाता है

رَسُوْلُهُمْ	قُضِيَ	بَيْنَهُمْ	بِالْقِسْطِ	وَهُمْ	لَا يُظْلَمُوْنَ (47)
रसूल उनका	फ़ैसला कर दिया जाता है	दर्मियान उनके	साथ इंसाफ़ के	और वो	नहीं वो ज़ुल्म किए जाते

وَيَقُوْلُوْنَ	مَتٰى	هٰذَا الْوَعْدُ	اِنْ	كُنْتُمْ	صٰدِقِيْنَ (48)	قُلْ
और वो कहते हैं	कब होगा	ये वादा	अगर	हो तुम	सच्चे	कह दीजिए

لَآ اَمْلِكُ	لِنَفْسِيْ	ضَرًّا	وَّلَا	نَفْعًا	اِلَّا	مَا	شَآءَ	اللّٰهُ ط
नहीं मैं मालिक	अपनी जान के लिए	किसी नुक़सान का	और ना	किसी नफ़ा का	मगर	जो	चाहे	अल्लाह

لِكُلِّ	اُمَّةٍ	اَجَلٌ ط	اِذَا	جَآءَ	اَجَلُهُمْ	فَلَا	يَسْتَاْخِرُوْنَ
वास्ते हर	उम्मत के	एक मुक़र्रर मुद्दत है	जब	आ जाएगी	मुक़र्रर मुद्दत उनकी	तो नहीं	वो पीछे रह सकेंगे

سَاعَةً	وَّلَا	يَسْتَقْدِمُوْنَ (49)	قُلْ	اَرَءَيْتُمْ	اِنْ	اَتٰىكُمْ
एक घड़ी	और ना	वो आगे बढ़ सकेंगे	कह दीजिए	क्या ग़ौर किया तुमने	अगर	आ जाए तुम्हारे पास

عَذَابُهٗ	بَيَاتًا	اَوْ	نَهَارًا	مَّاذَا	يَسْتَعْجِلُ	مِنْهُ	الْمُجْرِمُوْنَ (50)
अज़ाब उसका	रात को	या	दिन को	क्या है	(जो) वो जल्दी तलब कर रहे हैं	उसमें से	मुजरिम

اَثُمَّ	اِذَا مَا	وَقَعَ	اٰمَنْتُمْ	بِهٖ ط	آٰلْـٰٔنَ	وَقَدْ	كُنْتُمْ
क्या फिर	जुंही	वो वाक़ेअ होगा	(तब) ईमान लाओगे तुम	उस पर	क्या अब	हालांकि तहक़ीक़	थे तुम

بِهٖ	تَسْتَعْجِلُوْنَ (51)	ثُمَّ	قِيْلَ	لِلَّذِيْنَ	ظَلَمُوْا	ذُوْقُوْا	عَذَابَ
उसी को	तुम जल्दी तलब किया करते	फिर	कहा जाएगा	उनको जिन्होंने	ज़ुल्म किया	चखो	अज़ाब

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

الْخُلْدِ ج	هَلْ	تُجْزَوْنَ	اِلَّا	بِمَا	كُنْتُمْ	تَكْسِبُوْنَ (52)
हमेशगी का	नहीं	तुम बदला दिए जा रहे	मगर	उसका जो	थे तुम	तुम कमाई करते

وقف النبی عليه السلام
وقف النبی عليه السلام

وَيَسْتَنْۢبِـُٔوْنَكَ	اَحَقٌّ	هُوَ ط	قُلْ	اِیْ	وَرَبِّیْٓ	اِنَّهٗ	لَحَقٌّ ج
और वो पूछते हैं आपसे	क्या सच है	वो	कह दीजिए	हां	क़सम है मेरे रब की	बेशक वो	यक़ीनन हक़ है

ع 5 13 10

وَمَآ	اَنْتُمْ	بِمُعْجِزِيْنَ (53) ع	وَلَوْ	اَنَّ	لِكُلِّ نَفْسٍ	ظَلَمَتْ
और नहीं	तुम	आजिज़ करने वाले	और अगर	बेशक हो	हर नफ़्स के लिए	जिसने ज़ुल्म किया

مَا	فِی الْاَرْضِ	لَافْتَدَتْ	بِهٖ ط	وَاَسَرُّوا	النَّدَامَةَ	لَمَّا	رَاَوُا
जो कुछ	ज़मीन में है	अलबत्ता वो फ़िदया दे दे	उसका	और वो छुपाएंगे	नदामत को	जब	वो देखेंगे

الْعَذَابَ ج	وَقُضِیَ	بَيْنَهُمْ	بِالْقِسْطِ	وَهُمْ	لَا يُظْلَمُوْنَ (54)	اَلَآ
अज़ाब	और फ़ैसला कर दिया जाएगा	दर्मियान उनके	साथ इंसाफ़ के	और वो	ना वो ज़ुल्म किए जाएंगे	ख़बरदार

اِنَّ	لِلّٰهِ	مَا	فِی السَّمٰوٰتِ	وَالْاَرْضِ ط	اَلَآ	اِنَّ	وَعْدَ	اللّٰهِ
बेशक	अल्लाह ही के लिए है	जो कुछ	आसमानों में	और ज़मीन में है	ख़बरदार	बेशक	वादा	अल्लाह का

حَقٌّ	وَّلٰكِنَّ	اَكْثَرَهُمْ	لَا يَعْلَمُوْنَ (55)	هُوَ	يُحْيٖ	وَيُمِيْتُ	وَاِلَيْهِ
सच्चा है	और लेकिन	अक्सर उनके	नहीं वो इल्म रखते	वो ही	वो ज़िंदा करता है	और वो मौत देता है	और तरफ़ उसी के

تُرْجَعُوْنَ (56)	يٰٓاَيُّهَا النَّاسُ	قَدْ	جَآءَتْكُمْ	مَّوْعِظَةٌ	مِّنْ رَّبِّكُمْ
तुम लौटाए जाओगे	ऐ लोगो	तहक़ीक़	आ चुकी तुम्हारे पास	एक नसीहत	तुम्हारे रब की तरफ़ से

وَشِفَآءٌ	لِّمَا	فِی الصُّدُوْرِ ۙ	وَهُدًی	وَّرَحْمَةٌ	لِّلْمُؤْمِنِيْنَ (57)
और शिफ़ा	उसके लिए जो	सीनों में है	और हिदायत	और रहमत	ईमान लाने वालों के लिए

قُلْ	بِفَضْلِ اللّٰهِ	وَبِرَحْمَتِهٖ	فَبِذٰلِكَ	فَلْيَفْرَحُوْا ط	هُوَ	خَيْرٌ
कह दीजिए	साथ अल्लाह के फ़ज़ल के	और उसकी रहमत के	तो इस पर	पस ज़रूर वो ख़ुश हों	वो	बेहतर है

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

لَكُمْ	اللّٰهُ	اَنْزَلَ	مَّآ	اَرَءَيْتُمْ	قُلْ	يَجْمَعُوْنَ ﴿58﴾	مِّمَّا
तुम्हारे लिए	अल्लाह ने	नाज़िल किया	जो	क्या ग़ौर किया तुमने	कह दीजिए	वो जमा करते हैं	उससे जो

اَذِنَ	آٰللّٰهُ	قُلْ	وَّحَلٰلًا ؕ	حَرَامًا	مِّنْهُ	فَجَعَلْتُمْ	مِّنْ رِّزْقٍ
इजाज़त दी है	क्या अल्लाह ने	कह दीजिए	और कुछ हलाल	कुछ हराम	उसमें से	तो बना लिया तुमने	रिज़्क़ में से

يَفْتَرُوْنَ	الَّذِيْنَ	ظَنُّ	وَمَا	تَفْتَرُوْنَ ﴿59﴾	عَلَى اللّٰهِ	اَمْ	لَكُمْ
गढ़ते हैं	उनका जो	गुमान	और क्या है	तुम झूठ गढ़ते हो	अल्लाह पर	या	तुम्हें

عَلَى النَّاسِ	لَذُوْ فَضْلٍ	اللّٰهَ	اِنَّ	يَوْمَ الْقِيٰمَةِ ؕ	الْكَذِبَ	عَلَى اللّٰهِ
लोगों पर	अलबत्ता फ़ज़्ल वाला है	अल्लाह	बेशक	क़यामत के दिन में	झूठ	अल्लाह पर

ع 6 7 11

وَّمَا	فِيْ شَاْنٍ	تَكُوْنُ	وَمَا	لَا يَشْكُرُوْنَ ﴿60﴾ ع	اَكْثَرَهُمْ	وَلٰكِنَّ
और नहीं	किसी हाल में	आप होते	और नहीं	नहीं वो शुक्र करते	अक्सर उनके	और लेकिन

كُنَّا	اِلَّا	مِنْ عَمَلٍ	تَعْمَلُوْنَ	وَّلَا	مِنْ قُرْاٰنٍ	مِنْهُ	تَتْلُوْا
होते हैं हम	मगर	कोई अमल	तुम अमल करते हो	और नहीं	कुछ क़ुरआन	उस (की तरफ़) से	आप पढ़ते

عَنْ رَّبِّكَ	يَعْزُبُ	وَمَا	فِيْهِ ؕ	تُفِيْضُوْنَ	اِذْ	شُهُوْدًا	عَلَيْكُمْ
आपके रब से	छुपता	और नहीं	उसमें	तुम मशग़ूल होते हो	जब	शाहिद/गवाह	तुम पर

اَصْغَرَ	وَلَآ	فِي السَّمَآءِ	وَلَا	فِي الْاَرْضِ	ذَرَّةٍ	مِنْ مِّثْقَالِ
छोटा	और ना	आसमान में	और ना	ज़मीन में	ज़र्रे के	हम वज़न

اَوْلِيَآءَ	اِنَّ	اَلَآ	فِيْ كِتٰبٍ مُّبِيْنٍ ﴿61﴾	اِلَّا	اَكْبَرَ	وَلَآ	مِنْ ذٰلِكَ
दोस्त	बेशक	ख़बरदार	एक खुली किताब में है	मगर	बड़ा	और ना	इससे

اٰمَنُوْا	الَّذِيْنَ	يَحْزَنُوْنَ ﴿62﴾ ج	هُمْ	وَلَا	عَلَيْهِمْ	لَا خَوْفٌ	اللّٰهِ
ईमान लाए	वो जो	वो ग़मगीन होंगे	वो	और ना	उन पर	ना कोई ख़ौफ़ होगा	अल्लाह के

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَكَانُوْا	يَتَّقُوْنَ ۝63 ط	لَهُمُ	الْبُشْرٰى	فِي الْحَيٰوةِ	الدُّنْيَا
और हैं वो	वो तक़वा करते	उन्हीं के लिए	ख़ुशख़बरी है	ज़िंदगी में	दुनिया की

وَفِي الْاٰخِرَةِ ط	لَا تَبْدِيْلَ	لِكَلِمٰتِ	اللّٰهِ ط	ذٰلِكَ	هُوَ	الْفَوْزُ
और आख़िरत में	नहीं तबदील होना	कलिमात को	अल्लाह के	ये है	वो ही	कामयाबी

الْعَظِيْمُ ۝64 ط	وَلَا	يَحْزُنْكَ	قَوْلُهُمْ م	اِنَّ	الْعِزَّةَ	لِلّٰهِ
बहुत बड़ी	और ना	ग़मगीन करे आपको	बात उनकी	बेशक	इज़्ज़त	अल्लाह ही के लिए है

وقف لازم

جَمِيْعًا ط	هُوَ	السَّمِيْعُ	الْعَلِيْمُ ۝65	اَلَآ	اِنَّ	لِلّٰهِ	مَنْ
सारी की सारी	वो	ख़ूब सुनने वाला है	ख़ूब जानने वाला है	ख़बरदार	बेशक	अल्लाह ही के लिए है	जो कोई

فِي السَّمٰوٰتِ	وَمَنْ	فِي الْاَرْضِ ط	وَمَا	يَتَّبِعُ	الَّذِيْنَ	يَدْعُوْنَ
आसमानों में है	और जो कोई	ज़मीन में है	और किस की	पैरवी करते हैं	वो लोग जो	पुकारते हैं

مِنْ دُوْنِ	اللّٰهِ	شُرَكَآءَ ط	اِنْ	يَّتَّبِعُوْنَ	اِلَّا	الظَّنَّ	وَاِنْ	هُمْ
सिवाए	अल्लाह के	शरीकों को	नहीं	वो पैरवी करते	मगर	गुमान की	और नहीं	वो

اِلَّا	يَخْرُصُوْنَ ۝66	هُوَ	الَّذِيْ	جَعَلَ	لَكُمُ	الَّيْلَ	لِتَسْكُنُوْا
मगर	वो क़यास आराइयां करते हैं	वो ही है	जिसने	बनाया	तुम्हारे लिए	रात को	ताकि तुम सुकून हासिल करो

فِيْهِ	وَالنَّهَارَ	مُبْصِرًا ط	اِنَّ	فِيْ ذٰلِكَ	لَاٰيٰتٍ	لِّقَوْمٍ
उसमें	और दिन को	रौशन/दिखाने वाला	बेशक	इसमें	अलबत्ता निशानियां हैं	उन लोगों के लिए

يَّسْمَعُوْنَ ۝67	قَالُوا	اتَّخَذَ	اللّٰهُ	وَلَدًا	سُبْحٰنَهٗ ط	هُوَ	الْغَنِيُّ ط
जो सुनते हैं	उन्होंने कहा	बना ली	अल्लाह ने	औलाद	पाक है वो	वो	बहुत बेनियाज़ है

لَهٗ	مَا	فِي السَّمٰوٰتِ	وَمَا	فِي الْاَرْضِ ط	اِنْ	عِنْدَكُمْ
उसी के लिए है	जो कुछ	आसमानों में है	और जो कुछ	ज़मीन में है	नहीं	तुम्हारे पास

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

مِنْ سُلْطٰنٍۢ	بِهٰذَا ؕ	اَتَقُوْلُوْنَ	عَلَى اللّٰهِ	مَا	لَا تَعْلَمُوْنَ (68)	قُلْ
कोई दलील	इसकी	क्या तुम कहते हो	अल्लाह पर	जो	नहीं तुम जानते	कह दीजिए

اِنَّ	الَّذِيْنَ	يَفْتَرُوْنَ	عَلَى اللّٰهِ	الْكَذِبَ	لَا يُفْلِحُوْنَ ؕ (69)	مَتَاعٌ
बेशक	वो लोग जो	गढ़ते हैं	अल्लाह पर	झूठ	नहीं वो फ़लाह पाऐंगे	फ़ायदा उठाना है

فِى الدُّنْيَا	ثُمَّ	اِلَيْنَا	مَرْجِعُهُمْ	ثُمَّ	نُذِيْقُهُمُ	الْعَذَابَ	الشَّدِيْدَ
दुनिया में	फिर	तरफ़ हमारे ही	लौटना है उनका	फिर	हम चखाऐंगे उन्हें	अज़ाब	सख़्त/शदीद

ع 7 10 12 الثلثة وقف لازم

بِمَا	كَانُوْا	يَكْفُرُوْنَ ع (70)	وَاتْلُ	عَلَيْهِمْ	نَبَاَ	نُوْحٍ ۘ	اِذْ	قَالَ
बवजह इसके जो	थे वो	वो कुफ़्र करते	और पढ़िए	उन पर	ख़बर	नूह की	जब	उसने कहा

لِقَوْمِهٖ	يٰقَوْمِ	اِنْ	كَانَ	كَبُرَ	عَلَيْكُمْ	مَّقَامِىْ	وَتَذْكِيْرِىْ
अपनी क़ौम से	ऐ मेरी क़ौम	अगर	है	भारी	तुम पर	खड़ा होना मेरा	और नसीहत करना मेरा

بِاٰيٰتِ اللّٰهِ	فَعَلَى اللّٰهِ	تَوَكَّلْتُ	فَاَجْمِعُوْٓا	اَمْرَكُمْ	وَشُرَكَآءَكُمْ
साथ अल्लाह की आयात के	तो अल्लाह ही पर	तवक्कल किया मैंने	तो पुख़्ता कर लो तुम	मामला अपना	और शरीक तुम्हारे(भी)

ثُمَّ	لَا يَكُنْ	اَمْرُكُمْ	عَلَيْكُمْ	غُمَّةً	ثُمَّ	اقْضُوْٓا	اِلَىَّ
फिर	ना हो	मामला तुम्हारा	तुम पर	पोशीदा/मख़्फ़ी	फिर	फ़ैसला कर लो	साथ मेरे

وَلَا	تُنْظِرُوْنِ (71)	فَاِنْ	تَوَلَّيْتُمْ	فَمَا	سَاَلْتُكُمْ	مِّنْ اَجْرٍ ؕ	اِنْ
और ना	तुम मोहलत दो मुझे	फिर अगर	मुंह फेर लो तुम	तो नहीं	मांगा मैंने तुमसे	कोई अजर	नहीं

اَجْرِىَ	اِلَّا	عَلَى اللّٰهِ ۙ	وَاُمِرْتُ	اَنْ	اَكُوْنَ	مِنَ الْمُسْلِمِيْنَ (72)
अजर मेरा	मगर	अल्लाह पर	और मैं हुक्म दिया गया हूं	कि	मैं हो जाऊं	फ़रमांबरदारों में से

فَكَذَّبُوْهُ	فَنَجَّيْنٰهُ	وَمَنْ	مَّعَهٗ	فِى الْفُلْكِ	وَجَعَلْنٰهُمْ
तो उन्होंने झुठला दिया उसे	पस निजात दी हमने उसे	और उनको जो	उसके साथ थे	कश्ती में	और बनाया हमने उन्हें

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

كَانَ	كَيۡفَ	فَانۡظُرۡ	بِاٰيٰتِنَا ۚ	كَذَّبُوۡا	الَّذِيۡنَ	وَ اَغۡرَقۡنَا	خَلٰٓئِفَ
हुआ	कैसा	तो देखो	हमारी आयात को	झुठलाया	उनको जिन्होंने	और ग़र्क़ कर दिया हमने	जानशीन

اِلٰى قَوۡمِهِمۡ	رُسُلًا	مِنۡۢ بَعۡدِهٖ	بَعَثۡنَا	ثُمَّ	الۡمُنۡذَرِيۡنَ (73)	عَاقِبَةُ
तरफ़ उनकी क़ौम के	कई रसूल	बाद इसके	भेजे हमने	फिर	डराए जाने वालों का	अंजाम

بِهٖ	كَذَّبُوۡا	بِمَا	لِيُؤۡمِنُوۡا	كَانُوۡا	فَمَا	بِالۡبَيِّنٰتِ	فَجَآءُوۡهُمۡ
उसे	वो झुठला चुके थे	बवजह इसके जो	कि वो ईमान लाते	थे वो	तो ना	साथ वाज़ेह दलाइल के	तो वो आए उनके पास

بَعَثۡنَا	ثُمَّ	الۡمُعۡتَدِيۡنَ (74)	عَلٰى قُلُوۡبِ	نَطۡبَعُ	كَذٰلِكَ	مِنۡ قَبۡلُ ؕ
भेजा हमने	फिर	हद से तजावुज़ करने वालों के	दिलों पर	हम मोहर लगा देते हैं	इसी तरह	इससे पहले

بِاٰيٰتِنَا	وَمَلَا۟ئِهٖ	اِلٰى فِرۡعَوۡنَ	وَهٰرُوۡنَ	مُّوۡسٰى	مِنۡۢ بَعۡدِهِمۡ
साथ अपनी आयात के	और उसके सरदारों के	तरफ़ फ़िरऔन	और हारून को	मूसा	बाद उनके

الۡحَقُّ	جَآءَهُمُ	فَلَمَّا	مُّجۡرِمِيۡنَ (75)	قَوۡمًا	وَكَانُوۡا	فَاسۡتَكۡبَرُوۡا
हक़	आया उनके पास	तो जब	मुजरिम	लोग	और थे वो	तो उन्होंने तकब्बुर किया

مُوۡسٰٓى	قَالَ	مُّبِيۡنٌ (76)	لَسِحۡرٌ	هٰذَا	اِنَّ	قَالُوۡۤا	مِنۡ عِنۡدِنَا
मूसा ने	कहा	खुल्लम-खुल्ला	अलबत्ता जादू है	ये	यक़ीनन	उन्होंने कहा	हमारी तरफ़ से

يُفۡلِحُ	وَلَا	هٰذَا ؕ	اَسِحۡرٌ	جَآءَكُمۡ ؕ	لَمَّا	لِلۡحَقِّ	اَتَقُوۡلُوۡنَ
फ़लाह पाते	हालांकि नहीं	ये	क्या जादू है	वो आ गया तुम्हारे पास	जब	हक़ को (जादू)	क्या तुम कहते हो

عَلَيۡهِ	وَجَدۡنَا	عَمَّا	لِتَلۡفِتَنَا	اَجِئۡتَنَا	قَالُوۡۤا	السّٰحِرُوۡنَ (77)
उस पर	पाया हमने	उससे जो	ताकि तू फेर दे हमें	क्या आया है तू हमारे पास	उन्होंने कहा	साहिर/जादूगर

نَحۡنُ	وَمَا	فِى الۡاَرۡضِ ؕ	الۡكِبۡرِيَآءُ	لَكُمَا	وَتَكُوۡنَ	اٰبَآءَنَا
हम	और नहीं	ज़मीन में	बड़ाई	तुम दोनों के लिए	और हो जाए	अपने आबा ओ अजदाद को

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

سِحْرٍ	بِكُلِّ	ائْتُوْنِيْ	فِرْعَوْنُ	وَقَالَ	بِمُؤْمِنِيْنَ (78)	لَكُمَا
जादूगर को	हर	लाओ मेरे पास	फ़िरऔन ने	और कहा	मानने वाले	तुम दोनों को

مَآ	اَلْقُوْا	مُّوْسٰٓى	لَهُمْ	قَالَ	السَّحَرَةُ	جَآءَ	فَلَمَّا	عَلِيْمٍ (79)
जो	तुम सब डालो	मूसा ने	उनसे	कहा	जादूगर	आ गए	तो जब	जो माहिर हो

جِئْتُمْ	مَا	مُوْسٰى	قَالَ	اَلْقَوْا	فَلَمَّآ	مُّلْقُوْنَ (80)	اَنْتُمْ
लाए हो तुम	वो जो	मूसा ने	कहा	उन्होंने डाला	तो जब	डालने वाले हो	तुम

لَا يُصْلِحُ	اللّٰهَ	اِنَّ	سَيُبْطِلُهٗ ؕ	اللّٰهَ	اِنَّ	السِّحْرُ ؕ	بِهِ ۙ
नहीं वो संवारता	अल्लाह	बेशक	अनक़रीब वो बातिल कर देगा उसे	अल्लाह	बेशक	जादू है	जिसको

وَلَوْ	بِكَلِمٰتِهٖ	الْحَقَّ	اللّٰهُ	وَيُحِقُّ	الْمُفْسِدِيْنَ (81)	عَمَلَ
और अगरचे	अपने कलिमात से	हक़ को	अल्लाह	और सच्चा साबित कर दिखाता है	मुफ़सिदों का	काम

ع 8 12 13

ذُرِّيَّةٌ	اِلَّا	لِمُوْسٰٓى	اٰمَنَ	فَمَآ	الْمُجْرِمُوْنَ (82) ع	كَرِهَ
चंद नौजवानों ने	मगर	मूसा की	बात मानी	तो ना	मुजरिम	नापसंद करें

يَّفْتِنَهُمْ ؕ	اَنْ	وَمَلَا۟ئِهِمْ	مِّنْ فِرْعَوْنَ	عَلٰى خَوْفٍ	مِّنْ قَوْمِهٖ
वो फ़ितने में डाल देगा उन्हें	कि	और उसके सरदारों से	फ़िरऔन से	ख़ौफ़ की बिना पर	उसकी क़ौम में से

لَمِنَ الْمُسْرِفِيْنَ (83)	وَاِنَّهٗ	فِى الْاَرْضِ ۚ	لَعَالٍ	فِرْعَوْنَ	وَاِنَّ
यक़ीनन हद से बढ़ जाने वालों में से था	और बेशक वो	ज़मीन में	अलबत्ता सरकश था	फ़िरऔन	और बेशक

فَعَلَيْهِ	بِاللّٰهِ	اٰمَنْتُمْ	كُنْتُمْ	اِنْ	يٰقَوْمِ	مُوْسٰى	وَقَالَ
तो उसी पर	अल्लाह पर	ईमान लाए तुम	हो तुम	अगर	ऐ मेरी क़ौम	मूसा ने	और कहा

تَوَكَّلْنَا ۚ	عَلَى اللّٰهِ	فَقَالُوْا	مُّسْلِمِيْنَ (84)	كُنْتُمْ	اِنْ	تَوَكَّلُوْٓا
तवक्कल किया हमने	अल्लाह ही पर	तो उन्होंने कहा	फ़रमांबरदार	हो तुम	अगर	तुम तवक्कल करो

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَ نَجِّنَا	الظّٰلِمِيْنَ ﴿85﴾ ۙ	لِّلْقَوْمِ	فِتْنَةً	لَا تَجْعَلْنَا	رَبَّنَا
और निजात दे हमें	जो ज़ालिम हैं	उन लोगों के लिए	फ़ितना	ना तू बनाना हमें	ऐ हमारे रब

وَ اَخِيْهِ	اِلٰى مُوْسٰى	وَ اَوْحَيْنَآ	الْكٰفِرِيْنَ ﴿86﴾	مِنَ الْقَوْمِ	بِرَحْمَتِكَ
और उसके भाई के	तरफ़ मूसा	और वही की हमने	जो काफ़िर हैं	उन लोगों से	साथ अपनी रहमत के

بُيُوْتَكُمْ	وَّاجْعَلُوْا	بُيُوْتًا	بِمِصْرَ	لِقَوْمِكُمَا	تَبَوَّاٰ	اَنْ
अपने घरों को	और बना लो	कुछ घर	मिस्र में	अपनी क़ौम के लिए	तुम दोनों मुतय्यन करो	कि

مُوْسٰى	وَ قَالَ	الْمُؤْمِنِيْنَ ﴿87﴾	وَ بَشِّرِ	الصَّلٰوةَ ؕ	وَّ اَقِيْمُوا	قِبْلَةً
मूसा ने	और कहा	मोमिनों को	और ख़ुशख़बरी दो	नमाज़	और क़ायम करो	क़िबला/मरकज़

وَّ اَمْوَالًا	زِيْنَةً	وَ مَلَاَهٗ	فِرْعَوْنَ	اٰتَيْتَ	اِنَّكَ	رَبَّنَآ
और माल	ज़ीनत	और उसके सरदारों को	फ़िरऔन को	दी तूने	बेशक तू	ऐ हमारे रब

رَبَّنَا	عَنْ سَبِيْلِكَ ۚ	لِيُضِلُّوْا	رَبَّنَا	فِي الْحَيٰوةِ الدُّنْيَا ۙ
ऐ हमारे रब	तेरे रास्ते से	ताकि वो भटकाएं	ऐ हमारे रब	दुनिया की ज़िंदगी में

حَتّٰى	يُؤْمِنُوْا	فَلَا	عَلٰى قُلُوْبِهِمْ	وَاشْدُدْ	عَلٰٓى اَمْوَالِهِمْ	اطْمِسْ
यहां तक कि	वो ईमान लाएं	तो ना	इनके दिलों पर	और सख़्ती डाल दे	इनके मालों को	मिटा दे

دَّعْوَتُكُمَا	اُجِيْبَتْ	قَدْ	قَالَ	الْاَلِيْمَ ﴿88﴾	الْعَذَابَ	يَرَوُا
दुआ तुम दोनों की	क़ुबूल कर ली गई	तहक़ीक़	फ़रमाया	दर्दनाक	अज़ाब	वो देख लें

لَا يَعْلَمُوْنَ ﴿89﴾	الَّذِيْنَ	سَبِيْلَ	تَتَّبِعٰٓنِّ	وَلَا	فَاسْتَقِيْمَا
नहीं वो इल्म रखते	उनके जो	रास्ते की	तुम दोनों हरगिज़ पैरवी करना	और ना	पस तुम दोनों साबित क़दम रहो

وَ جُنُوْدُهٗ	فِرْعَوْنُ	فَاَتْبَعَهُمْ	الْبَحْرَ	بِبَنِيْٓ اِسْرَآءِيْلَ	وَجٰوَزْنَا
और उसके लश्करों ने	फ़िरऔन	फिर पीछा किया उनका	समुन्दर	बनी इस्राईल को	और पार करा दिया हमने

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

بَغْیًا	وَّعَدْوًا ؕ	حَتّٰۤی	اِذَآ	اَدْرَكَهُ	الْغَرَقُ ۙ	قَالَ	اٰمَنْتُ
सरकशी	और ज़्यादती से	यहां तक कि	जब	पा लिया उसे	ग़र्क़ होने ने	वो बोला	मैं ईमान ले आया

اَنَّهٗ	لَآ	اِلٰهَ	اِلَّا	الَّذِیْۤ	اٰمَنَتْ	بِهٖ	بَنُوْۤا اِسْرَآءِیْلَ
कि बेशक वो	नहीं	कोई इलाह (बरहक़)	मगर	वो ही जो	ईमान लाए	जिस पर	बनी इस्राईल

وَاَنَا	مِنَ الْمُسْلِمِیْنَ (90)	آٰلْـٰٔنَ	وَقَدْ	عَصَیْتَ	قَبْلُ	وَكُنْتَ
और मैं	मुसलमानों में से हूं	क्या अब	हालांकि तहक़ीक़	नाफ़रमानी की तूने	इससे पहले	और था तू

مِنَ الْمُفْسِدِیْنَ (91)	فَالْیَوْمَ	نُنَجِّیْكَ	بِبَدَنِكَ	لِتَكُوْنَ	لِمَنْ
फ़साद करने वालों में से	तो आज	हम बचा लेंगे तुझे	साथ तेरे बदन के	ताकि तू हो जाए	उनके लिए जो

ع 9 10 14

خَلْفَكَ	اٰیَةً ؕ	وَاِنَّ	كَثِیْرًا	مِّنَ النَّاسِ	عَنْ اٰیٰتِنَا	لَغٰفِلُوْنَ (92) ع
तेरे बाद हों	एक निशानी	और बेशक	बहुत से	लोगों में से	हमारी आयात से	अलबत्ता ग़ाफ़िल हैं

وَلَقَدْ	بَوَّاْنَا	بَنِیْۤ اِسْرَآءِیْلَ	مُبَوَّاَ	صِدْقٍ	وَّرَزَقْنٰهُمْ
और अलबत्ता तहक़ीक़	ठिकाना दिया हमने	बनी इस्राईल को	ठिकाना	सच्चा/उम्दा	और रिज़्क़ दिया हमने उन्हें

مِّنَ الطَّیِّبٰتِ ۚ	فَمَا	اخْتَلَفُوْا	حَتّٰی	جَآءَهُمُ	الْعِلْمُ ؕ	اِنَّ
पाकीज़ा चीज़ों से	तो नहीं	उन्होंने इख़्तिलाफ़ किया	यहां तक कि	आ गया उनके पास	इल्म	बेशक

رَبَّكَ	یَقْضِیْ	بَیْنَهُمْ	یَوْمَ	الْقِیٰمَةِ	فِیْمَا	كَانُوْا	فِیْهِ
रब आपका	वो फ़ैसला करेगा	दर्मियान उनके	दिन	क़यामत के	उसमें जो	थे वो	जिस में

یَخْتَلِفُوْنَ (93)	فَاِنْ	كُنْتَ	فِیْ شَكٍّ	مِّمَّاۤ	اَنْزَلْنَاۤ	اِلَیْكَ
वो इख़्तिलाफ़ करते	फिर अगर	हैं आप	किसी शक में	इसके बारे में जो	नाज़िल किया हमने	तरफ़ आपके

فَسْـَٔلِ	الَّذِیْنَ	یَقْرَءُوْنَ	الْكِتٰبَ	مِنْ قَبْلِكَ ۚ	لَقَدْ	جَآءَكَ
तो पूछ लीजिए	उन लोगों से जो	पढ़ते हैं	किताब	आपसे पहले	अलबत्ता तहक़ीक़	आ गया आपके पास

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

الْحَقُّ	مِنْ رَّبِّكَ	فَلَا تَكُوْنَنَّ	مِنَ الْمُمْتَرِيْنَ ﴿94﴾ لا	وَلَا تَكُوْنَنَّ
हक़	आपके रब की तरफ़ से	पस हरगिज़ ना आप हों	शक करने वालों में से	और हरगिज़ ना आप हों

مِنَ الَّذِيْنَ	كَذَّبُوْا	بِاٰيٰتِ اللّٰهِ	فَتَكُوْنَ	مِنَ الْخٰسِرِيْنَ ﴿95﴾	اِنَّ
उनमें से जिन्होंने	झुठलाया	अल्लाह की आयात को	वरना आप हो जाऐंगे	ख़सारा पाने वालों में से	बेशक

الَّذِيْنَ	حَقَّتْ	عَلَيْهِمْ	كَلِمَتُ	رَبِّكَ	لَا يُؤْمِنُوْنَ ﴿96﴾ لا	وَلَوْ
वो लोग जो	साबित हो गई	उन पर	बात	आपके रब की	नहीं वो ईमान लाऐंगे	और अगरचे

جَآءَتْهُمْ	كُلُّ	اٰيَةٍ	حَتّٰى	يَرَوُا	الْعَذَابَ	الْاَلِيْمَ ﴿97﴾	فَلَوْلَا
आ जाए उनके पास	हर	निशानी	यहां तक कि	वो देख लें	अज़ाब	दर्दनाक	फिर क्यों ना

كَانَتْ	قَرْيَةٌ	اٰمَنَتْ	فَنَفَعَهَآ	اِيْمَانُهَآ	اِلَّا	قَوْمَ	يُوْنُسَ ط
हुई	कोई बस्ती	जो ईमान लाई	तो नफ़ा दिया उसे	उसके ईमान ने	सिवाय	क़ौमे	यूनुस के

لَمَّآ	اٰمَنُوْا	كَشَفْنَا	عَنْهُمْ	عَذَابَ	الْخِزْيِ	فِي الْحَيٰوةِ	الدُّنْيَا
जब	वो ईमान लाए	हटा दिया हमने	उन से	अज़ाब	रुसवाई का	ज़िंदगी में	दुनिया की

وَمَتَّعْنٰهُمْ	اِلٰى حِيْنٍ ﴿98﴾	وَلَوْ	شَآءَ	رَبُّكَ	لَاٰمَنَ	مَنْ
और फ़ायदा दिया हमने उन्हें	एक मुद्दत तक	और अगर	चाहता	रब आपका	अलबत्ता ईमान ले आते	जो

فِي الْاَرْضِ	كُلُّهُمْ	جَمِيْعًا ط	اَفَاَنْتَ	تُكْرِهُ	النَّاسَ	حَتّٰى	يَكُوْنُوْا
ज़मीन में हैं	सबके सब	इकट्ठे	क्या भला आप	मजबूर करेंगे	लोगों को	यहां तक कि	वो हो जाऐं

مُؤْمِنِيْنَ ﴿99﴾	وَمَا	كَانَ	لِنَفْسٍ	اَنْ	تُؤْمِنَ	اِلَّا	بِاِذْنِ اللّٰهِ ط
ईमान लाने वाले	और नहीं	है	किसी नफ़्स के लिए	कि	वो ईमान लाए	मगर	अल्लाह के इज़्न से

وَيَجْعَلُ	الرِّجْسَ	عَلَى الَّذِيْنَ	لَا يَعْقِلُوْنَ ﴿100﴾	قُلِ	انْظُرُوْا	مَاذَا
और वो डाल देता है	गंदगी को	उन पर जो	नहीं वो अक़्ल रखते	कह दीजिए	देखो	क्या कुछ है

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

عَنْ قَوْمٍ	وَالنُّذُرُ	الْاٰيٰتُ	تُغْنِي	وَمَا	وَالْاَرْضِ ؕ	فِي السَّمٰوٰتِ
उन लोगों को जो	और डरावे	आयात	फ़ायदा देतीं	और नहीं	और ज़मीन में	आसमानों में

خَلَوْا	الَّذِيْنَ	اَيَّامِ	مِثْلَ	اِلَّا	يَنْتَظِرُوْنَ	فَهَلْ	لَّا يُؤْمِنُوْنَ (101)
गुज़र चुके हैं	उन लोगों के जो	दिनों के	मानिंद	मगर	वो इंतिज़ार कर रहे	तो नहीं	नहीं वो ईमान लाते

مِّنَ الْمُنْتَظِرِيْنَ (102)	مَعَكُمْ	اِنِّيْ	فَانْتَظِرُوْٓا	قُلْ	مِنْ قَبْلِهِمْ ؕ
इंतिज़ार करने वालों में से हूं	साथ तुम्हारे	बेशक मैं	पस इंतिज़ार करो	कह दीजिए	उनसे पहले

عَلَيْنَا	حَقًّا	كَذٰلِكَ ج	اٰمَنُوْا	وَالَّذِيْنَ	رُسُلَنَا	نُنَجِّيْ	ثُمَّ
हम पर	हक़ है	इसी तरह	ईमान लाए	और उनको जो	अपने रसूलों को	हम निजात देते हैं	फिर

10 ع 11 15

فِيْ شَكٍّ	كُنْتُمْ	اِنْ	يٰٓاَيُّهَا النَّاسُ	قُلْ	الْمُؤْمِنِيْنَ (103) ع	نُنْجِ
किसी शक में	हो तुम	अगर	ऐ लोगो	कह दीजिए	मोमिनों को	कि हम निजात दें

وَلٰكِنْ	اللّٰهِ	مِنْ دُوْنِ	تَعْبُدُوْنَ	الَّذِيْنَ	اَعْبُدُ	فَلَآ	مِّنْ دِيْنِيْ
और लेकिन	अल्लाह के	सिवाए	तुम इबादत करते हो	जिनकी	मैं इबादत करता	पस नहीं	मेरे दीन में

اَكُوْنَ	اَنْ	وَاُمِرْتُ	يَتَوَفّٰىكُمْ ۚ صلے	الَّذِيْ	اللّٰهَ	اَعْبُدُ
मैं हो जाऊं	कि	और हुक्म दिया गया हूं मैं	फ़ौत करता है तुम्हें	वो जो	अल्लाह की	मैं इबादत करता हूं

وَلَا تَكُوْنَنَّ	حَنِيْفًا ج	لِلدِّيْنِ	وَجْهَكَ	اَقِمْ	وَاَنْ	مِنَ الْمُؤْمِنِيْنَ (104) لا
और हरगिज़ ना आप हों	यकसू होकर	दीन के लिए	चेहरा अपना	क़ायम रखिए	और ये कि	ईमान लाने वालों में से

لَا يَنْفَعُكَ	مَا	اللّٰهِ	مِنْ دُوْنِ	تَدْعُ	وَلَا	مِنَ الْمُشْرِكِيْنَ (105)
ना फ़ायदा दे सकता है आपको	उसे जो	अल्लाह के	सिवाय	आप पुकारिए	और ना	मुशरिकों में से

مِّنَ الظّٰلِمِيْنَ (106)	اِذًا	فَاِنَّكَ	فَعَلْتَ	فَاِنْ	يَضُرُّكَ ج	وَلَا
ज़ालिमों में से होंगे	उस वक़्त	तो बेशक आप	किया आपने (ऐसा)	फिर अगर	वो नुक़सान दे सकता है आपको	और ना

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَاِنْ	هُوَ ج	اِلَّا	لَهٗٓ	كَاشِفَ	فَلَا	بِضُرٍّ	اللّٰهُ	يَّمْسَسْكَ	وَاِنْ
और अगर	वो ही	मगर	उसे	कोई हटाने वाला	तो नहीं	कोई तकलीफ़	अल्लाह	पहुंचाए आपको	और अगर

مَنْ	بِهٖ	يُصِيْبُ	لِفَضْلِهٖ ط	رَآدَّ	فَلَا	بِخَيْرٍ	يُّرِدْكَ
जिसे	उसे	वो पहुंचाता है	उसके फ़ज़्ल को	कोई फेरने वाला	तो नहीं	किसी भलाई का	वो इरादा करे आपके साथ

يٰٓاَيُّهَا النَّاسُ	قُلْ	الرَّحِيْمُ ﴿107﴾	الْغَفُوْرُ	وَهُوَ	مِنْ عِبَادِهٖ ط	يَّشَآءُ
ऐ लोगो	कह दीजिए	निहायत रहम करने वाला है	बहुत बख़्शने वाला है	और वो	अपने बंदों में से	वो चाहता है

فَاِنَّمَا	اهْتَدٰى	فَمَنِ	مِنْ رَّبِّكُمْ ج	الْحَقُّ	جَآءَكُمُ	قَدْ
तो बेशक	हिदायत पाई	तो जिसने	तुम्हारे रब की तरफ़ से	हक़	आ चुका तुम्हारे पास	तहक़ीक़

عَلَيْهَا ج	يَضِلُّ	فَاِنَّمَا	ضَلَّ	وَمَنْ	لِنَفْسِهٖ ج	يَهْتَدِىْ
अपने(नफ़्स) पर	वो गुमराह होगा	तो बेशक	गुमराह हुआ	और जो	अपने नफ़्स के लिए	वो हिदायत पाएगा

اِلَيْكَ	يُوْحٰٓى	مَا	وَاتَّبِعْ	بِوَكِيْلٍ ط ﴿108﴾	عَلَيْكُمْ	اَنَا	وَمَآ
तरफ़ आपके	वही की जाती है	उसकी जो	और पैरवी कीजिए	कोई ज़िम्मेदार	तुम पर	मैं	और नहीं

الْحٰكِمِيْنَ ﴿109﴾ ع	خَيْرُ	وَهُوَ	اللّٰهُ صلے	يَحْكُمَ	حَتّٰى	وَاصْبِرْ	ع 11 6 16
सब फ़ैसला करने वालों में से	बेहतर है	और वो	अल्लाह	फ़ैसला कर दे	यहां तक कि	और सब्र कीजिए	

رُكُوْعَاتُهَا : 10 — 52 سُوْرَةُ هُوْدٍ مَّكِّيَّةٌ 11 — اٰيَاتُهَا : 123

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ

مِنْ لَّدُنْ	فُصِّلَتْ	ثُمَّ	اٰيٰتُهٗ	اُحْكِمَتْ	كِتٰبٌ	الٓرٰ قف
तरफ़ से	खोल कर बयान की गई	फिर	आयात उसकी	पुख़्ता की गई हैं	एक किताब है	الٓرٰ

لَكُمْ	اِنَّنِىْ	اللّٰهَ ط	اِلَّا	تَعْبُدُوْٓا	اَلَّا	خَبِيْرٍ ﴿1﴾ لا	حَكِيْمٍ
तुम्हारे लिए	बेशक मैं	अल्लाह की	मगर	तुम इबादत करो	कि ना	ख़ूब बाख़बर के	बहुत हिक्मत वाले

HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

مِّنْهُ	نَذِيْرٌ	وَّبَشِيْرٌ ② ۙ	وَّاَنِ	اسْتَغْفِرُوْا	رَبَّكُمْ	ثُمَّ
उसकी तरफ़ से	डराने वाला	और ख़ुशख़बरी देने वाला हूं	और ये कि	तुम बख़्शिश मांगो	अपने रब से	फिर

تُوْبُوْٓا	اِلَيْهِ	يُمَتِّعْكُمْ	مَّتَاعًا	حَسَنًا	اِلٰٓى اَجَلٍ	مُّسَمًّى
तुम तौबा करो	तरफ़ उसके	वो फ़ायदा देगा तुम्हें	फ़ायदा	अच्छा	एक मुद्दत तक	मुक़र्रर

وَّيُؤْتِ	كُلَّ	ذِىْ فَضْلٍ	فَضْلَهٗ ۭ	وَاِنْ	تَوَلَّوْا	فَاِنِّىْٓ	اَخَافُ
और वो देगा	हर	साहिबे फ़ज़्ल को	फ़ज़्ल उसका	और अगर	तुम मुंह फेरोगे	तो बेशक मैं	मैं डरता हूं

عَلَيْكُمْ	عَذَابَ	يَوْمٍ كَبِيْرٍ ③	اِلَى اللّٰهِ	مَرْجِعُكُمْ ۚ	وَهُوَ	عَلٰى
तुम पर	अज़ाब से	बड़े दिन के	तरफ़ अल्लाह ही के	लौटना है तुम्हारा	और वो	ऊपर

كُلِّ	شَيْءٍ	قَدِيْرٌ ④	اَلَآ	اِنَّهُمْ	يَثْنُوْنَ	صُدُوْرَهُمْ
हर	चीज़ के	ख़ूब क़ुदरत रखने वाला है	ख़बरदार	बेशक वो	वो दोहरे करते हैं	सीने अपने

لِيَسْتَخْفُوْا	مِنْهُ ۭ	اَلَا	حِيْنَ	يَسْتَغْشُوْنَ	ثِيَابَهُمْ ۙ	يَعْلَمُ
ताकि वो छुप सकें	उस से	ख़बरदार	जिस वक़्त	वो ढांपते हैं	कपड़े अपने	वो जानता है

مَا	يُسِرُّوْنَ	وَمَا	يُعْلِنُوْنَ ۚ	اِنَّهٗ	عَلِيْمٌۢ	بِذَاتِ الصُّدُوْرِ ⑤
जो	वो छुपाते हैं	और जो	वो ज़ाहिर करते हैं	बेशक वो	ख़ूब जानने वाला है	सीनों वाले (भेद)

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION